MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Dabang Duniya	Indore	01.02.23	02	Decision to prepare the 2nd phase of Metro Corridor taken. Elevated corridor between Robot-bengali sq and plasia road to begin soon	Positive

दैनिक दबंग दुनिया
सिटी फ्रंट
इंदौर, बुधवार, 01 फरवरी 2023
www.dabangdunia.co.in
02

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने दूसरे चरण का काम शुरू करवाने का लिया निर्णय

रोबोट-बंगाली चौराहा से पलासिया तक मेट्रो के एलिवेटेड ट्रैक के टेंडर होंगे जारी

इंदौर » दबंग रिपोर्टर

शहर में मेट्रो प्रोजेक्ट एयरपोर्ट से लेकर गांधी नगर, सुपर कॉरिडोर से एमआर-10, विजय नगर, रेडिसन से रोबोट चौराहा तक तेज गति से चल रहा है। लगभग 17 किलोमीटर के इस हिस्से में तो एलिवेटेड ट्रैक ही रहेगा और इसमें से साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर इसी साल अगस्त-सितम्बर में ट्रायल रन लिया जाना है, लेकिन रोबोट चौराहा से पलासिया होते हुए राजबाड़ा, बड़ा गणपति और फिर एयरपोर्ट तक मध्य क्षेत्र क्षेत्र का निर्णय रुका पड़ा है।

मध्य क्षेत्र में रीगल से लेकर एमजी रोड, कोठारी मार्केट, राजबाड़ा और बड़ा गणपति तक के हिस्से में सबसे अधिक परेशानी है, क्योंकि यहां पर यातायात का अत्यधिक घनत्व है और मेट्रो ट्रैक अंडरग्राउंड जाना है। पिछले दिनों पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने अंडरग्राउंड ट्रैक को लेकर आपत्ति ली और धरना देने तक की घोषणा कर दी। लिहाजा ताई की इस अड़ेगबाजी के चलते मध्य क्षेत्र के ट्रैक का कोई निर्णय मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन अभी तक नहीं ले पाया है। चूंकि मेट्रो के दूसरे चरण में भी टेंडर सहित अन्य सभी प्रक्रियाएं की जाना है, जिसके चलते अभी एमडी मनीष सिंह ने रोबोट चौराहा से बंगाली होते हुए पलासिया तक के एलिवेटेड ट्रैक पर काम शुरू करने का निर्णय लिया है, क्योंकि इस हिस्से में वैसे भी

कोई आपत्ति नहीं है। लिहाजा अब कॉर्पोरेशन इस लगभग 7 किलोमीटर के हिस्से के लिए टेंडर सहित अन्य प्रक्रिया शुरू करेगा, क्योंकि अभी रोबोट चौराहा तक काम तेजी से चल रहा है और अब उसके आगे भी प्रोजेक्ट को विस्तार दिया जाना है, ताकि 32 किलोमीटर की रिंग पूरी हो सके।

गांधी नगर मेट्रो स्टेशन के काम में भी गति लाई गई और 75 एकड़ पर बन रहा डिपो भी तैयार हो रहा है। पटरियां बिछाने का टेंडर भी संबंधित फर्मों को दिया जा चुका है और अगले महीने फरवरी से प्रायोरिटी कॉरिडोर पर पटरियां बिछाने का काम भी शुरू हो जाएगा। पटरियों की सप्लाय जिंदल स्टील द्वारा की जाएगी, तो बिछाने का ठेका मैक्समाको कम्पनी को सौंपा गया है। अभी पिछले दिनों ही एमडी मनीष सिंह ने इंदौर मेट्रो के काम का मैदानी अवलोकन किया और संबंधित ठेकेदार फर्मों को फटकार भी लगाई, जिसके चलते काम की गति अब लगभग दो गुनी हो गई है। इसी तरह अब भोपाल मेट्रो का निरीक्षण कर वहां आ रही बाधाओं को भी दूर करने के निर्देश दिए गए। दूसरी तरफ तमाम जानकारों का कहना है कि मध्य क्षेत्र में रीगल से लेकर राजबाड़ा, बड़ा गणपति तक अंडरग्राउंड ट्रैक ही बनना चाहिए, क्योंकि एमजी रोड मात्र 100 फीट ही चौड़ा है और एलिवेटेड ट्रैक से और संकरा हो जाएगा।

METRO NEWS

2nd FEBRUARY,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	Dainik Bhaskar	Indore	02.02.2023	02	सिर्फ गांधी नगर स्टेशन से गुजरेगी मेट्रो की तीन लेन	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 02-02-2023 Pg-02

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट • पहले चरण के तहत सुपर कॉरिडोर पर 5.9 किमी के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का काम 60% हुआ

सिर्फ गांधी नगर स्टेशन से गुजरेगी मेट्रो की तीन लेन

08 महीने में बचा हुआ 40% काम पूरा करना है | **2023** सितंबर में ट्रायल रन किया जाना है | **29** स्टेशन बनेंगे पहले चरण में मेट्रो के | **17.5** किमी में पहले चरण में चल रहा है काम

मेट्रो का काम रिंग रोड पर भी तेज गति से चल रहा है। फोटो | संदीप जैन

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत सुपर प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। यह एकमात्र स्टेशन है, जहां तीन लेन बनाई जा रही हैं। दो लेन आने-जाने की और एक लेन डिपो से कनेक्ट होगी। पहले चरण के तहत सुपर कॉरिडोर पर 5.9 किमी के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर सितंबर 2023 में ट्रायल रन किया जाना है। अभी यहां 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। 40 फीसदी काम बाकी है। ट्रायल रन में आठ महीने का समय बचा है।

कोच आने सहित कई काम बाकी हैं

सिविल वर्क के अलावा इसमें पटरियां, कोच आने सहित अन्य काम होना बाकी हैं। चूंकि यह प्रक्रिया भोपाल से की जा रही है। बताया जा रहा है कि फरवरी के दूसरे पखवाड़े में पटरियां इंदौर पहुंच जाएंगे। इसके बाद इन्हें बिछाने का काम किया जाएगा। मेट्रो ट्रेन के प्रबंधक मनीष सिंह ने पिछले दिनों यहां का दौरा कर समयसीमा में काम करने की हिदायत दी थी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	राइ ़िग इंदौर	Indore	02.02.23	02	259 करोड़ मे बिछेगी मेट्रो ट्रेन की पटरियाँ, दो कम्पनियाँ रही अयोग्य	Neutral

259 करोड़ में बिछेगी मेट्रो ट्रेन की पटरियां, दो कंपनियां रही अयोग्य

32 किलोमीटर का ठेका टैक्समाको कंपनी को मिला, इस माह इंदौर-भोपाल प्रोजेक्ट में निर्माण की रफ्तार हो गई दोगुनी

इंदौर-भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट की अब लगातार समीक्षा के साथ मैदानी अवलोकन किया जा रहा है, ताकि प्रायोरिटी कॉरिडोर पर अगस्त-सितंबर में ट्रायल रन मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप लिया जा सके। जनवरी माह में निर्माण कार्य की रफ्तार दो गुना तक हो गई है और प्रायोरिटी कॉरिडोर से संबंधित 90 फीसदी सिविल कार्यों से संबंधित ड्राइंग और डिजाइन भी फाइनल कर ठेकेदारों को उसका जिम्मा सौंप दिया है। फरवरी माह के अंत तक जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड द्वारा ट्रैक की पहली खेप भिजवा दी जाएगी, जिसके बाद जिन ठेकेदार फर्मों को पटरियां बिछाने का काम दिया है। वे प्रायोरिटी कॉरिडोर और डिपो में पटरियां बिछाने का काम शुरू करेंगी। इंदौर में टैक्समाको कंपनी को 259 करोड़ में ठेका दिया गया है। चार कंपनियों ने टेंडर डाले, जिनमें से दो कंपनियां अयोग्य पाई गईं।

राइजिंग इन्दौर

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीषसिंह लगातार इंदौर-भोपाल प्रोजेक्ट की समीक्षा के साथ ही फटाफट टेंडरों को मंजूर करने के अलावा मैदानी अवलोकन भी कर रहे हैं। पिछले दिनों इंदौर प्रोजेक्ट की समीक्षा और गांधी नगर मेट्रो स्टेशन सहित प्रायोरिटी कॉरिडोर का अवलोकन भी किया। वहीं अभी शनिवार को भोपाल प्रोजेक्ट का अवलोकन किया गया। प्रबंध संचालक को दोनों प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए संबंधित इंजीनियरों, ठेकेदार फर्मों ने बताया कि नवंबर की तुलना में अभी जनवरी में निर्माण कार्य की रफ्तार दो गुनी हो गई है, जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है और देश के किसी भी मेट्रो प्रोजेक्ट में ऐसा नहीं हुआ। प्रायोरिटी कॉरिडोर में भी आगे की प्लानिंग के लिए अभी से सुपर स्ट्रक्चर के डिजाइन तय कर दिए गए, ताकि अगले कार्य में जो 5 से 6 महीने डिजाइन में ही लग जाते थे उसकी भी बचत होगी।

फरवरी माह के अंत तक ट्रैक की पहली खेप जिंदल स्टील एंड पॉवर लि. द्वारा डिलीवरी कर दी जाएगी, जिसके बाद ठेकेदार फर्मों द्वारा पटरियों को बिछाने का काम शुरू किया जाएगा। भोपाल में एलएनटी तथा इंदौर में आईएससी और टैक्समाको जेवी को पटरियां बिछाने का ठेका मिला है। 259 करोड़ में लगभग 32 किलोमीटर के तय किए गए ट्रैक पर उक्त फर्मों द्वारा पटरियां बिछाई जाएंगी। इस कार्य के लिए चार ठेकेदार फर्मों ने टेंडर जमा किए थे, जिसमें फाइनेंशियल बीड के दौरान दो कंपनियां अयोग्य करार दी गईं, जिसमें रेल विकास निगम लिमिटेड के अलावा विजय निर्माण कंपनी प्राइवेट लिमिटेड शामिल रही। जबकि लार्सन एंड टूब्रो यानी एलएनटी ने 262.32 करोड़ का टेंडर भरा, जबकि टैक्समाको रेल एंड इंजीनियरिंग ने 258.88 करोड़ रुपए का टेंडर दिया, जो कम होने से पिछले दिनों मंजूर किया गया। लगभग 32 किलोमीटर वाली लाइन इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट की पटरियां अब इस फर्म द्वारा बिछाई जाएंगी। इसके लिए पटरियों को सप्लाय करने का ठेका जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड को दिया गया है। प्रबंध संचालक मनीष सिंह के मुताबिक भोपाल और इंदौर प्रोजेक्ट में फंडिंग एजेंसी यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक भोपाल तथा एशियन डवलपमेंट बैंक इंदौर में फेज-1 में बचे हुए कॉरिडोर के टेंडर डॉक्यूमेंट की भी समीक्षा और मंजूरी के लिए तैयार कर लिया गया है और फरवरी माह में इसकी अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। भोपाल में सुभाष नगर से करोंद चौराहा तथा भदभदा चौराहा से रत्नागिरी चौराहा शामिल है, तो इंदौर में पलासिया से रेडिसन चौराहा के लिए यह अधिसूचना जारी होना है। अवलोकन के दौरान अजय शर्मा निदेशक प्रोजेक्ट शोभित टंडन, संजय सिंह महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी ठेकेदारों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
4	Nai Duniya	इंदौर	03.02.23	03	रोबोट चोराहे से पलासिया तक एलेवेटेड रहेगा मेट्रो ट्रैक	Neutral

नईदुनिया इंदौर, शुक्रवार 03 फरवरी, 2023 | 3

रोबोट चौराहे से पलासिया तक एलिवेटेड रहेगा मेट्रो ट्रैक

मंजूरी के लिए एडीबी को प्रस्ताव भेजा, इसी महीने जारी होगा नोटिफिकेशन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो के दूसरे चरण के लिए तैयारी शुरू हो गई है। रोबोट चौराहे से पलासिया चौराहे के बीच इसका स्वरूप एलिवेटेड ही रहेगा। मंजूरी के लिए फंडिंग एजेंसी एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) को प्रस्ताव भेजा गया है। इस माह के अंत तक नोटिफिकेशन जारी हो जाएगा।

शहर में मेट्रो के पहले चरण का काम तेजी से चल रहा है। इसमें 31.5 किमी के कुल मेट्रो रिंग में से पहले चरण के 17.5 किमी का काम जारी है। गांधीनगर में डिपो का काम भी तेजी से चल रहा है। अगस्त में ट्रायल रन होगा। मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि पलासिया तक कोई दिक्कत नहीं है। मेट्रो रिंग रोड से होकर बंगाली चौराहे से पलासिया जाएगी।

मध्य क्षेत्र में मेट्रो के स्वरूप को लेकर लंबे समय से उलझन चल रही है। व्यापारियों ने पहले इसे भूमिगत रखने का विरोध किया। फिर इसे एलिवेटेड किया गया तो पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने आपत्ति जताते हुए एमजी रोड के बजाय सुभाष मार्ग से ले जाने के लिए कहा। इसके बाद से अभी मध्य क्षेत्र का मामला अटका हुआ है।

एमआर 10 पर मेट्रो रेल का काम तेजी से जारी है। ● नईदुनिया

आदर्श आचार संहिता लागू होने के पहले हो जाए ट्रायल

सूत्रों का कहना है कि वर्तमान में चल रहे मेट्रो के काम को तेजी से पूरा करना होगा। इस वर्ष के अंत में प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके लिए आदर्श आचार संहिता लग जाएगी। इसके पहले ही ट्रायल करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी को निर्धारित कर काम किया जा रहा है। वहीं इंदौर का काम भोपाल से पीछे चल रहा है। प्रशासन की मंशा है कि दोनों शहरों में साथ में मेट्रो दौड़े।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
5	Metro Vaartha	Indore	03.02.2023	03	60% work done for Indore Metro Priority corridor work over	Neutral

03 FRIDAY, 3 FEBRUARY 2023 METRO FOCUS Indore MetroVaartha

60% of Indore Metro priority corridor work over

STAFF REPORTER

Indore

Around 60 per cent of the work at the Metro Rail station on the Super Priority Corridor has been completed. This is the only station where three lanes are being built, two for commuting and one to connect with the depot.

Under the first phase, the trial run on the 5.9-km priority corridor is to be done in September.

Apart from civil work, tracks, coaches and other works are yet to be done. The tracks are expected to reach here in the second fortnight of February. Metro train manager Manish Singh visited the area recently and directed officials to complete the work on time.

इंदौर

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	Nai Dunia	Indore	05.02.2023	07	इंदौर का सपना पूरा.. 15 अगस्त को हो सकता है मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन	Neutral

इंदौर का सपना पूरा... 15 अगस्त को हो सकता है मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन

नवीन यादव • इंदौर

तैयारी तेज

मेट्रो रेल कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया

अप्रैल से हट जाएगा सिविल विभाग, सिस्टम संभाल लेगा काम

लहराएगा उल्लास का तिरंगा

31.5 किमी का है पूरा मेट्रो कारिडोर

5.5 किमी इलाके में होगा ट्रायल रन

कहां से : गांधी नगर से शुरू होकर इंफोसिस चौराहे तक होगा

5 मेट्रो स्टेशन रहेंगे कारिडोर पर

3 लेन होगी इस स्टेशन में

गांधी नगर स्टेशन के नीचे से निकल सकेंगे वाहन

17.5 किमी के ट्रैक का काम पहले चरण में चल रहा

15 अगस्त के दिन जब शहर में जगह-जगह तिरंगा लहराएगा, उसी दिन शहरवासी पहली बार मेट्रो ट्रैक के प्रायोरिटी कारिडोर पर साढ़े पांच किलोमीटर हिस्से में मेट्रो ट्रेन को चलते देखेंगे। मेट्रो रेल कारपोरेशन ने इसके लिए तैयारी तेज कर दी है। ट्रैक बना रहा सिविल विभाग अप्रैल से सिस्टम विभाग को साइट हैंडओवर कर देगा। इसके बाद बिजली और नेटवर्क से जुड़े काम होंगे। मई के अंत से कोच मिलने शुरू हो जाएंगे।

शनिवार को मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण और इसके बाद सांसद शंकर लालवानी के साथ मिलकर निर्माण प्रगति की समीक्षा की। प्रेजेंटेशन के माध्यम से सांसद को प्रोजेक्ट की प्रगति के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। सभी प्रकार के निर्माण कार्यों को गति देने के लिए अधिकारियों-कांट्रेक्टरों को मजदूर बढ़ाने के लिए कहा है, जिससे रात में भी तेजी से काम चलेगा। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि कोच बनाने का कार्य शुरू हो गया है। जिस कंपनी को इसका ठेका मिला है वह वड़ोदरा में इसका निर्माण करेगी। प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने कहा कि मैं भी इन कोच को देखने जाऊंगा। मई के अंत से कंपनी इसकी आपूर्ति शुरू कर देगी।

सुपर कारिडोर पर शनिवार को मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की प्रगति देखने पहुंचे मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह। • नईदुनिया

सांसद बोले- क्रेन कम न पड़े

बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि गर्डर रखने के लिए उच्च क्षमता वाली क्रेनों की जरूरत है, जिसके लिए गुजरात व भोपाल से तीन क्रेनें बुलवाई जा रहीं हैं। इस पर सांसद ने कहा कि उच्च वजन क्षमता वाली क्रेन काफी मुश्किल से मिलती है। इसकी कमी न हो जाए। इसका ध्यान रखा जाए।

आगे की भी तैयारी रखें

प्रबंध संचालक सिंह ने कहा, प्रायोरिटी कारिडोर के अलावा भी काम किया जाए। डिजाइन और ड्राइंग्स को संबंधित एजेंसियों से जल्द ही अंतिम रूप दिलवा कर काम करने की अनुमति ले ली जाए, ताकि काम में परेशानी न हो। प्रायोरिटी कारिडोर के बाद आगे का काम भी तेजी से हो यह नजर रखी जाए।

स्टेशन के माडल के लिए इंदौर के कलाकारों को मिलेगा मौका

सांसद लालवानी ने स्टेशन के माडल देखकर कहा, इन्हें और आकर्षक बनाया जाए। इसके लिए स्थानीय कलाकारों की मदद लेने का सुझाव दिया है। स्टेशनों पर स्थानीय कलाकारों से म्यूरल बनवाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि दो स्टेशनों के बीच में औसतन 33 पोल रहेंगे।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	दैनिक भास्कर	Indore	05.02.23	03	मेट्रो; 20 तक पटरी बिछाना शुरू करेंगे, अगस्त तक तैयार होगा ट्रैक	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 05-02-2023

वडोदरा में बनेंगे कोच, 15 मार्च तक पीयर्स आर्म का काम पूरा करने का लक्ष्य

मेट्रो; 20 तक पटरी बिछाना शुरू करेंगे, अगस्त तक तैयार होगा ट्रैक

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट में ट्रायल रन के लिए सितंबर तक काम पूरा हो जाए, इसके लिए ढाई गुना लेबर बढ़ाई गई है। ढाई माह से अटके ड्राइंग व डिजाइन का काम भी पूरा हो चुका है। कोच की डिजाइन भी फाइनल हो चुकी है। वडोदरा में कोच बनाए जाएंगे। 15 मार्च तक पीयर्स आर्म का काम पूरा करने का लक्ष्य है। 20 फरवरी तक पटरी बिछाना शुरू करेंगे।

शनिवार को सांसद शंकर लालवानी ने मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट की समीक्षा की। अफसरों ने बताया कि सितंबर तक ट्रायल रन का काम पूरा हो जाएगा। अगस्त तक ट्रैक तैयार हो जाएगा। इससे पहले प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने रूट का निरीक्षण किया। एमडी सिंह ने बताया कि सितंबर में ट्रायल रन शुरू करने के हिसाब से ही प्लानिंग की गई है। 20 से 25 दिन पहले ही सारी डिजाइन कंसल्टेंट को दे दी गई है। दो-तीन प्रतिशत काम बचा है।

5.9 किमी का है सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर, इस हिस्से में 4 स्टेशन बनेंगे

17.5 किलोमीटर के कॉरिडोर पर काम चल रहा है पहले चरण में

20 फरवरी तक शुरू होगा पटरी बिछाने का काम

10-15 दिन में स्लीपर आना शुरू होंगे

प्रायोरिटी कॉरिडोर में बनने वाले मेट्रो स्टेशन की डिजाइन ऐसी रहेगी।

कोच की डिजाइन 20 दिन पहले ही फाइनल

कोच की डिजाइन 20 दिन पहले अप्रूव करवाकर कंपनी को दे दी है। कोच का निर्माण वड़ोदरा में होगा। 15 फरवरी से काम शुरू होगा, लेकिन वहां से तारीख तय होने के बाद हम विजिट करेंगे। मई के अंत तक कोच मिलना शुरू हो जाएंगे। पटरिया लगाने का काम 20 फरवरी तक शुरू होगा। उसके लिए अलग एजेंसी काम कर रही है। स्लीपर का प्रोडक्शन शुरू हो गया है। वह भी 10-15 दिन में आना शुरू हो जाएंगे। कॉस्टिंग यार्ड में पाई गार्ड, आई गर्डर का काम भी तेजी से किया जा रहा है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	Free Press	Indore	05.02.2023	03	Rs.7200 Cr funding for Indore Metro	Neutral

Rs 7,200 cr funding for Indore Metro

ADB recently conducted a review meeting with the Urban Development Department

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The Indore Metro is expecting to get funding to the tune of Rs 7,200 crore through loans from the Asian Development Bank and the National Development Bank.

Officials of the Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited told the Free Press on Saturday that the ADB recently conducted a review meeting with the Urban Development Department in which they discussed several projects including the Indore Metro Project.

The team of the bank also learnt about the work progress (of the Indore Metro Project) from the officials present at the meeting. They will also send a team to inspect the work progress.

After the physical inspection, the bank officials will decide on the amount of loan.

Meanwhile, on Saturday, the MPMRCL MD, Manish Singh, visited the city and along with MP Shankar Lalwani, he took a review meeting regarding the progress of the Metro project.

He instructed the officials to speed up the work and focus on the super priority corridor which is planned from Radisson Square to the Super Corridor.

He gave them an ultimatum to work as per the deadline and ensure that a trial run could be held either in August or September 2023.

Highlights of the review meeting

- The officials informed MP Lalwani about the progress through a presentation. He directed to prepare a bar chart to depict the work progress
- Models of all the Metro stations shown to MP Lalwani and MD Singh. MP Lalwani said the stations should adhere to international standards.
- The design and drawings ahead of the super corridor were also directed to be finalised soon so that the construction work could continue without delay
- He closely observed the progress of several construction works including stabling line, auxiliary sub-station, receiving substation, operation control centre, out way ramp and other parts of the Gandhinagar Metro Depot
- Instructions given to the officers and contractors to increase the number of workers, human resources and vehicles in order to speed up construction work
- Instructions given for geo-mapping and completion of remaining drawings

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	**Raj Express**	इंदौर	05.02.2023	02	अगस्त अंत तक पटरी पर दिखेगी इंदौर भोपाल मेट्रो	Neutral

पिछले दो माह से मेट्रो के काम में आई तेजी, निर्माण एजेंसियों ने मेन पावर के साथ जुटाए तकनीकी संसाधन

एमडी मनीष सिंह और सांसद ने निरीक्षण कर समीक्षा की

अगस्त अंत तक पटरी पर दिखेगी इंदौर-भोपाल मेट्रो

सभी कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण होने पर जोर

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

यदि इसी गति से मेट्रो का काम चलता रहा तो इंदौर और भोपाल में अगस्त अंत या सितंबर के प्रथम सप्ताह में हम मेट्रो को पटरी पर देख सकेंगे। पिछले दो माह से मेट्रो के काम में काफी तेजी आई है। निर्माण एजेंसियों ने मेन पावर के साथ तकनीकी संसाधन भी जुटा लिए हैं। उक्त बात मप्र मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीष सिंह और सांसद शंकर ललवानी ने शनिवार को मेट्रो के निर्माण कार्यों की समीक्षा और निरीक्षण के दौरान कही। इस दौरान उनके साथ निर्माण कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अधिकारियों ने समीक्षा के दौरान प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। एमडी ने निर्माण सामग्रियों की आपूर्ति के पूर्व अधिकारियों द्वारा फैक्ट्री विजिट कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

वहीं सांसद ललवानी ने कार्य की प्रगति के लिए बार चार्ट तैयार कर प्रोजेक्ट के सिस्टम एवं सिविल वर्क के समानान्तर संचालन के निर्देश दिए। इस दौरान एमडी मनीष सिंह ने मेट्रो के सभी स्टेशनों के माडल से सांसद को रूबरू कराया। इस पर सांसद ने स्टेशनों पर आम जनता के लिए सुगम जानकारी तथा जागरुकता के लि समुचित प्रचार सामग्रियों के विषय पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही सुपर कारिडोर के आगे मेट्रोल की डिजाईन और ड्राइंग को भी जल्द ही अंतिम रूप दिए जाने पर जोर दिया। इसके बाद एमडी और सांसद ने अधिकारियों के साथ कार्य का भौतिक निरीक्षण किया।

कार्यों की प्रगति का अवलोकन

सबसे पहले अधिकारियों का दल गांधीनगर में बन रहे मेट्रो डिपो की साइट पर पहुंचे। यहां स्टेब्लिंग लाईन, ऑक्जिलरी सब स्टेशन 1 एवं 2, रिसिविंग सब स्टेशन, आपरेशन कंट्रोल सेंटर, आउट वे, रैम्प आदि सहित कई निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया तथा निर्माणाधीन कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। एमडी सिंह ने कार्यों को और गति देने के लिए अधिकारियों एवं कांट्रैक्टरों को मानव संसाधन, वाहनों एवं तकनीकी संसाधन बढ़ाने के भी निर्देश दिए, जिससे दिन-रात 24 घंटे कार्य हो सके। अधिकारियों ने गांधीनगर स्टेशन निर्माण की प्रगति पर संतोष जताते हुए निर्देशित किया कि पीयर आर्म के कार्य अगले 15 मार्च तक तथा ट्रेक के लिए गर्डर के काम मई तक पूर्ण हो जाना चाहिए। इसके अलावा मेट्रो रूट की बची हुई ड्राइंग तथा जीयो मैपिंग का कार्य भी अतिशीघ्र पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए।

इनका कहना है...

पिछले दो माह से मेट्रो का कार्य तूफानी रफ्तार से हो रहा है। कार्य की गति देखकर विश्वास है कि हम अगस्त तक मेट्रो का ट्रायल पूरा कर लेंगे। मेट्रो संचालन में नवाचार भी जोर दिया जाएगा। बची हुई ड्राइंग और डिजाईन का कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है।

■ **शंकर ललवानी,** सासंद

सरकार की मंशानुरूप मेट्रो का कार्य संतोषप्रद है। 6 किमी के ट्रायल रूट के अलावा भी कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए मानव और तकनीकी संसाधन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। मेट्रो के ट्रैक और कोचेस जहां बन रहे हैं, वहां अधिकारियों के दल के साथ मैं खुद गुणवत्ता परखने जाऊंगा।

■ **मनीष सिंह,** एमडी, मेट्रो रेल कारपोरेशन

मेट्रो कोचेस निर्माण के संबंध में जानकारी भी दी गई

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एमडी को मेट्रो कोचेस निर्माण के संबंध में भी जानकारी दी, जिस पर उन्होंने फैक्ट्री जाकर स्वयं गुणवत्ता का निरीक्षण करने की बात कही। साथ ही कहा कि निरीक्षण दल के साथ हो सका तो वे भी जाएंगे। आरवीएनएल कास्टिंग यार्ड निर्माण में भी क्रेनकी संख्या बढ़ाकर तेजी से काम करने के निर्देश एमडी मनीषसिंह और सांसद ललवानी ने अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी अजय शर्मा, निदेशक शोभित टंडन, महाप्रबंधक केसी चौहान, महाप्रबंधक मनीष गंगारेकर व अन्य अधिकारियों के साथ जनरल कंसलटेंट एवं कानेट्रेक्टर्स के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	People's Samachar	Indore	05.02.2023	04	मेट्रो रेल की प्रगति को लेकर हुई अहम बैठक अब रफ्तार पकड़ेगा इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट	Neutral

निरीक्षण : सितंबर 2023 में होना है पहला ड्राई रन, आगामी 8 माह में 40 फीसदी काम पूरा करने का है लक्ष्य

मेट्रो रेल की प्रगति को लेकर हुई अहम बैठक अब रफ्तार पकड़ेगा इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट

पीपुल्स संवाददाता • इंदौर
मो.नं. 9826055574

मध्यप्रदेश सरकार और इंदौर के लिए बहुप्रतीक्षित मेट्रो रेल की प्रगति को लेकर शनिवार को इंदौर में एक महत्वपूर्ण बैठक के साथ मौका निरीक्षण भी किया गया। सितंबर 2023 तक ड्राई रन के लक्षित उद्देश्यों को लेकर सांसद शंकर लालवानी और मेट्रो प्रोजेक्ट के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान कांट्रेक्टर के साथ मेट्रो रेल से जुड़े अधिकारियों ने अद्यतन प्रगति से अवगत कराया।

सांसद लालवानी ने बताया कि सभी मेट्रो स्टेशनों के मॉडल की जानकारी ली और मॉडल को आकर्षक, जन सुविधाओं के मद्देनजर तैयार किए जाने के निर्देश दिए है। बैठक में सुपर कॉरिडोर के आगे के डिजाइन और ड्राइंग को भी जल्द ही अंतिम रूप दिए जाने का निर्देश दिया है, ताकि निर्माण कार्य व्यवस्थित पूरा किया जा सके। अब तक किया गया कार्य संतोषजनक है। उन्होंने कहा कि सीएम की मंशा अनुसार सितंबर, 2023 में ट्रायल रन की स्थिति में होंगे।

5.9 किलोमीटर के ट्रैक के लिए फरवरी मध्य तक आ जाएंगी पटरियां

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। यह एकमात्र स्टेशन है, जहां तीन लेन बनाई जा रही हैं। दो लेन आने-जाने की और एक लेन डिपो से कनेक्ट होगी। पहले चरण के तहत सुपर कॉरिडोर पर

5.9 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर सितंबर 2023 में ट्रायल रन किया जाना है। अभी यहां 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। 40 फीसदी काम बाकी है। ट्रायल रन में आठ महीने का समय बचा है। सिविल वर्क के अलावा इसमें पटरियां, कोच आने सहित अन्य काम होना बाकी हैं। चूंकि यह प्रक्रिया भोपाल से की जा रही है। बताया जा रहा है कि फरवरी के दूसरे पखवाड़े में पटरियां इंदौर पहुंच जाएंगी। इसके बाद इन्हें बिछाने का काम किया जाएगा। यही वजह है कि प्रबंध संचालक सतत कार्य प्रगति की निगरानी कर रहे हैं।

समस्या अविलंब संज्ञान में लाएं..

निरीक्षण के दौरान मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी अजय शर्मा, शोभित टंडन, केसी चौहान, मनीष गंगारेकर और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, जनरल कंसलटेंट, अधिकारी तथा कॉन्ट्रैक्टर्स प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रबंध संचालक ने अधिकारियों को निर्माण कार्य को द्रुत गति में लाने के लिए हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिए। साथ ही किसी प्रकार की समस्या को अविलंब उनके संज्ञान में लाने की बात भी कही है।

श्रम संसाधन बढ़ाने के निर्देश

निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता पूर्ण आपूर्ति का अवलोकन किया है। बैठक में प्रोजेक्ट सिस्टम के साथ सिविल वर्क के समानांतर संचालन के निर्देश भी दिए है। निर्माणाधीन गांधी नगर मेट्रो डिपो, ऑक्जिलरी सब स्टेशन, रिसीविंग सब स्टेशन, ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर आउट व रैम्प समेत कई निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया। साथ ही निर्माण कार्यों को गति देने के लिए अधिकारियों एवं कॉन्ट्रैक्टरों को श्रमिकों, मानव संसाधनों एवं वाहनों की समुचित संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। जिससे दिन-रात निर्माण कार्य को और गति मिले। निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण हो यह सुनिश्चित कर रहे है।

-मनीष सिंह, प्रबंध संचालक, मेट्रो प्रोजेक्ट मप्र

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	Rajiv Times	Indore	05.02.2023	03	मेट्रो के लिए बड़ोड़ा में बन रहे कोच, मे तक आने लगेंगे इंदौर, सितंबर के पहले सप्ताह मे ट्रायल	Neutral

दैनिक राजीव टाइम्स
इंदौर महानगर
इंदौर, रविवार, 05 फरवरी, 2023 03

मेट्रो के लिए बड़ौदा में बन रहे कोच, मई तक आने लगेंगे इंदौर, सितंबर के पहले सप्ताह में ट्रायल

राजीव टाइम्स ▪ इंदौर

इंदौर में चल रहे मेट्रो के काम की समीक्षा शनिवार को सांसद शंकर लालवानी व मेट्रो कार्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने की। उन्होंने मौके पर जाकर निर्माण कार्यों की गति देखी और बाद में बैठक लेकर समीक्षा की। सांसद लालवानी ने कहा कि मेट्रो के ट्रायल रन की समय सीमा आगे नहीं बढ़ेगी। सितंबर के पहले सप्ताह में ट्रायल रन होगा। एमडी मनीष सिंह ने बताया कि ट्रैक बिछाने का काम मार्च तक शुरू हो जाएगा। इंदौर मेट्रो के लिए बड़ौदा में कोच तैयार हो रहे है। कोच का अवलोकन करने भी जल्दी ही अफसर जाएंगे। कोच हमें मई में मिलता प्राप्त हो जाएंगे। तब तक प्रायरिटी कॉरिडोर में पटरियां बिछाने का काम भी लगभग पूरा कर लिया जाए। पटरियों का निर्माण जिंदल स्टील कंपनी कर रही है। उसकी सप्लाई फरवरी अंत तक होगी। उसके बाद तकनीकी काम पांच माह में पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है,क्योकि सितंबर तक सरकार ने ट्रायल रन की समयसीमा तय की है। इस प्रोजेक्ट पर ढाई सौ करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होगी।

स्टेशन का काम भी तेजी से

एमडी सिंह ने बताया कि मेट्रो स्टेशन का काम भी तेजी से गांधी नगर में किया जा रहा है। वहां एक प्लेटफार्म भी तैयार हो रहा है, जिससे कोचेस को ट्रेक पर चढ़ाया जाएगा। फिलहाल ट्रायल रन छह किलोमीटर वाले हिस्से में होगा और उसके निर्माण पर ही जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समयसीमा में काम पूरा हो, इसलिए रात में भी काम चल रहा है। निर्माण एजेंसियों ने भी वर्कफोर्स में वृद्धि की है। अभी 17 किलोमीटर के हिस्से में पिलर निर्माण और उन पर सेगमेट जोड़ने का काम जारी है। एक सेगमेंट को जोड़ने का काम पहले 13 दिन में हो रहा था, उसके लिए 10 दिन का टारगेट दिया गया है। पहले ड्राइंग और डिजाइन की मंजूरी में देरी हो रही थी,लेकिन अब वह परेशानी भी दूर हो चुकी है, इसलिए अब काम गति पकड़ रहा है। आपको बता दें कि इंदौर में पहले चरण में 31 किलोमीटर के ट्रेक में एयरपोर्ट से सुपर कारिडोर, भंवरासला, सुखलिया ग्राम चौराहा, रेडिसन चौराहा, खजराना, पलासिया और एमजी रोड का हिस्सा शामिल है। अभी 17 किलोमीटर हिस्से में ही काम चल रहा है। निर्माण पूर्ण करने की प्राथमिकता एयरपोर्ट से रेडिसन चौराहे वाले हिस्से में दी जा रही है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	Nav Bharat	Indore	05.02.2023	05	निर्धारित समय पर ही होगा मेट्रो का ट्रायल रन	Neutral

निर्धारित समय पर ही होगा मेट्रो का ट्रायल रन

सांसद ने ली समीक्षा बैठक, प्रबंध संचालक ने किया मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण

इंदौर. शनिवार को सासंद शंकर लालवानी ने इंदौर-मेट्रो रेल के निर्माण प्रगति कार्यों को लेकर प्रबंध संचालक औक मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. इससे पूर्व मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक मनीषसिंह ने मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कान्ट्रैक्टर के साथ इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया. सांसद को प्रगति से संबंधित आवश्यक जानकारी दी.

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने सांसद को अद्यतन प्रगति से प्रस्तुति के माध्यम से अवगत कराया. प्रबंध संचालक ने निर्माण सामग्रियों के आपूर्ति के पूर्व अधिकारियों द्वारा फैक्ट्री विज़िट कर गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने की जानकारी दी. सांसद ने निर्माण कार्य की प्रगति के लिए बार चार्ट तैयार करने का निर्देश दिया. साथ ही वे प्रायोरिटी कॉरिडोर के निर्माण एवं चुनौतियों से भी अवगत हुए. उन्होंने प्रोजेक्ट के सिस्टम एवं सिविल वर्क के समानांतर संचालन का भी निर्देश दिया. प्रबंध संचालक ने सांसद को सभी स्टेशनों के मॉडल से भी अवगत कराया. सांसद ने मॉडल को अत्यधिक आकर्षक बनाये जाने के निर्देश दिये. उन्होंने स्टेशनों पर आमजन के लिए सुगम जानकारी तथा जागरूकता के लिए समुचित प्रचार सामग्रियों के विषय पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया. साथ ही बैठक में सुपर कॉरिडोर के आगे के डिजाइन और ड्राइंग्स को भी जल्द ही अंतिम रूप दिये जाने का निर्देश दिया ताकि निर्माण कार्य अविलंब जारी रहे. सांसद ने यह स्पष्ट किया कि वर्तमान में निर्माण कार्य बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और स्थानीय कलाकारों को मेट्रो परियोजना से संबंधित जागरूकता अभियान मे प्राथमिकता से मौका दिया जाएगा. साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा सितंबर 2023 मे ट्रायल रन की जो निर्धारित समय सीमा रखी गई है, उसे हम ससमय पूर्ण करने मे सफल होंगे.

पाई-गर्डर के काम मई तक करें पूर्ण

प्रबंधसंचालक ने गाँधी नगर स्टेशन के निर्माण कार्यों का जायजा लिया. उन्होंने स्टेशन निर्माण की प्रगति पर संतोष जताया. साथ ही निर्देश दिए कि पीयर आर्म के कार्य 15 मार्च तथा ट्रैक के लिए आई तथा पाई-गर्डर के कार्य मई माह में पूर्ण हो जाने चाहिए. प्रबंध संचालक ने यह भी निर्देश दिए कि जियो मेपिंग तथा बची हुई ड्रॉइंग भी जल्द पूरी हो जानी चाहिए. प्रबंधक संचालक के निरीक्षण कार्यक्रम में मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी परियोजना निदेशक अजय शर्मा, निदेशक सिस्टम शोभित टंडन, महाप्रबंधक सिविल के. सी. चौहान, महाप्रबंधक मनीष गंगारेकर, कॉरपोरेशन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, जनरल कंसलटेंट के वरीय अधिकारी तथा कॉन्ट्रैक्टर्स प्रतिनिधि भी मौजूद रहे.

कोचेस बनाने का कार्य प्रगति पर

प्रबंध संचालक को अधिकारियों ने अवगत करवाया गया कि मेट्रो कोचेस बनाने का कार्य प्रगति पर चल रहा है. इस पर प्रबंध संचालक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे वहाँ जाकर निरीक्षण करें एवं वे स्वंय भी निरीक्षण के लिए जाएंगे. प्रबंध संचालक ने आरवीएनएल कास्टिंग यार्ड में चल रहे निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया और निर्देश दिए कि क्रेन की संख्या बढ़ाकर कार्य मे तेजी लाएं.

निर्माणाधीन काम समय पर पूरा करें

प्रबंध संचालक ने गाँधी नगर मेट्रो डिपो में निर्माणाधीन इंस्पेक्शन वे, स्टेब्लिंगलाइन, ऑक्ज़िलरीसबस्टेशन 1×2, रिसीविंग सब स्टेशन, ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर, आउट वे रैम्प आदि समेत कई निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया तथा निर्माणाधीनकार्यों को ससमय पूरा करने के निर्देश दिए. प्रबंध संचालक ने सभी प्रकार के निर्माण कार्यों को गति देने के लिए अधिकारियों एवं कॉन्ट्रैक्टरोंको श्रमिकों, मानव संसाधनों एवं वाहनों को समुचित संख्या मे बढ़ाने के निर्देश दिए, जिससे दिन-रात निर्माण कार्य को ओर गति मिले. प्रबंध संचालक ने अधिकारियों को निर्माण कार्य को द्रुतगति में लाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए, साथ ही किसी प्रकार की समस्या को अविलम्ब उनके संज्ञान में लाने की बात कही.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	प्रजातन्त्र	Indore	05.02.2023	02	सितंबर मे नहीं, अब अगस्त मे मेट्रो का ट्रायल रन टारगेट	Neutral

प्रजातंत्र इंदौर, रविवार 05 फरवरी, 2023

बड़ौदा में इसी माह मेट्रो कोच का निर्माण आंरभ होगा

सितम्बर में नहीं, अब अगस्त में मेट्रो का ट्रायल रन टारगेट

प्रजातंत्र संवाददाता | इंदौर

मेट्रो रेल कंपनी ने अब 6 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल रन की समय सीमा एक माह घटा दी है, और अगस्त माह में ट्रायल रन लेने का निर्णय लिया है। शनिवार को मेट्रो रेल कम्पनी के एमडी मनीष सिंह और सांसद शंकर लालवानी ने कहा इंदौर मेट्रो रेल निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए निरीक्षण किया। इस दौरान सांसद शंकर लालवनी कहा कि पिछले दो माह से निर्माण कार्यों में तेजी आई है। पहले कंसल्टेंट और ठेकेदार ड्रांइग डिजाइन में उलझे रहते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। स्टेशन के साथ उसके एलिवेशन सहित काम आगे बढ़ रहे है। मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार अब अगस्त माह में ट्रायल रन का लक्ष्य रखा गया है। मेट्रो के स्टेशन किस प्रकार से सुंदर दिखाई दिए, यहां तक किस प्रकार सुगमता के साथ पंहुचा जाए इसके संबंध में स्थानीय इंजीनियरों को भी शामिल करने का सुझाव दिया गया है। वहीं मेट्रो रेल कम्पनी के एमडी मनीष सिंह ने कहा 15 फरवरी से बड़ौदा में मेट्रो कोच निर्माण शुरू हो जाएंगा। साथ ही फरवरी अंत से प्रायोरिटी कॉरिडोर पर पटरियां बिछाने का काम शुरू हो जाएगा। ट्रायल रन अगस्त माह में करने का टारगेट तय किया है।

सभी वेंडर समय पर सप्लाय करें निर्माण सामाग्री

इंदौर में साल 2023 के अंत आप मेट्रो की यात्रा कर सके इसे लिए वृहद स्तर पर काम किया जा रहा है, प्रायोरिटी कॉरिडोर के साथ ही बचे हुए लगभग 12 किलोमीटर में काम गति को तेज किया है। शनिवार को एमडी मनीष सिंह ने ठेकेदार को लेबर बढ़ने और 24 घंटे काम करने निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पूरे 17 किलोमीटर से अधिक के पहले चरण की सभी ड्रांइग डिजाइन अप्रूवल कर दी गई है, अब 2 प्रतिशत भी यह कार्य शेष नहीं है। ड्रांइग डिजाइन फाइनल नहीं होने से काम की गति धीमी थी अब तेजी आ चुकी है। सभी डिजाइनें आईआईटी दिल्ली, आईआईटी चैन्नई से अप्रूव करवाई जा रही है। 25 दिनों पहले सभी डिजाइनें ठेकेदार ऐजेंसी दे दी है। रेडिसन चौराहे आगे के हिस्से में काम धीमा है, जिसको तेज करने के लिए कहा है। प्रथम चरण में मेट्रो ट्रैक निर्माण में सीविल कार्य खत्म हो जाएंगा। इसके बाद पटरियां बिछाने, सिग्नल, डारेक्शन सिस्टम का कार्य शुरू होगा। सभी वेंडर जो मेट्रो निर्माण संबंधीत सामाग्री सप्लाय करने वाले उन्हें डेड लाइन दे दी गई। पटरियां बिछाने, सिग्नल लगाने सहित अन्य कार्यों के लिए एंजेंसी समय आएंगी।

होशंगाबाद में बन रहे मेट्रो पटरी के स्लीपर

पटरियों का पहली खेप का निर्माण हो चुका है, 20 फरवरी तक यह इंदौर पहुंच जाएंगी। इसके बाद पटरियों के बीच में डाले जानी वाले स्लीपर भी होशंगाबाद में तैयार हो रहे है। इसके अलावा कास्टिंग यार्ड में ट्रैक निर्माण के लिए सेगमेंट की कॉस्टिंग को तेज किया जाएंगा। वर्तमान में एक सैंगमेंट 13 दिन में तैयार हो रहा है उसको 10 दिन में तैयार करने निर्देश दिए है। एमडी सिंह ने कहा शहर में मेट्रो का तेजी से किया जा रहा है, कम्पनी ने दूसरे चरण के टेंडर निकालने की तैयार कर ली है। यह रोबोट चौराहे से पलासिया तक होगा। मार्च में टेंडर निकाल दिए जाएंगे।

मई अंत में इंदौर आएंगे मेट्रो कोच

एमडी सिंह ने बताया कि हमने अगस्त के पहले सप्ताह में ट्रायल करने का लक्ष्य रखा है, इसके लिए मेट्रो की ड्रांइग डिजाइन आईआईटी से अप्रूव करवा कर हमें ने निर्माण एजेंसी को 20 दिन पहले दे दी थी। 15 फरवरी तक निर्माण एजेंसी बड़ौदा में कोच निर्माण शुरु कर देंगी। इसके बाद मई अंत तक इंदौर कोच आना शुरु हो जाएंगे। इस बीच मेट्रो डिपो के निर्माण का पूरा कर लिया जाएंगा, क्योंकि कोच को उतरने के लिए डिपो में सभी व्यवस्था होना चाहिए जो मई माह तक हो जाएंगी। यहां 8 लेन पटरियों की डाली जाएंगी। कोच मेंटनेंस पीट लाइन, सिग्नल, इलेक्ट्रिफिकेशन, कंट्रोल रुम का काम तेजी से चल रहा है। यहां बिजली सप्लाय के लिए ग्रिड लाइन कनेक्शन किए जा रहे है, यह कार्य आगामी एक सप्ताह पूरा हो जाएंगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	Times of India	Indore	05.02.2023	02	Indore Metro To Be Started By Sept	Neutral

TIMES CITY

Indore Metro To Be Started By Sept

Workforce Increased 2.5 Times, Night Shift Started To Meet Deadline

Times News Network

Indore: MP Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) has increased its workforce by 2.5 times and also started night shift to meet deadline to begin the trial run of proposed Indore Metro in 'super priority corridor' by September this year.

MP Shankar Lalwani and MPMRCL officials including managing director Manish Singh on Saturday reviewed progress of Indore Metro rail project and set the deadline of September 2023 to begin the trial and then operational run of the train in around a six-kilometer route between Gandhi Nagar and Super Corridor (S3) called 'super priority corridor'.

"Trial run on around 6 km stretch on Super Corridor is set to begin by first week of September and therefore, all the issues including that approval of drawings and designs have been resolved with coordination of the agencies concerned" Singh said, adding that same efforts are being made to speed up the work till Hotel Radisson Square.

The MD said that DGMs, senior DGMs and managerial-level officials have been roped in Indore and Bhopal for supervision of the project, along with increasing the workforce by around 2.5 times and starting night shifts to complete the civil works to help meet the deadline. "The coaches are being crafted in Baroda, which we are expecting to receive by the end of May" he said, adding that works at stabling yards, inspection pits and depots are underway at a fast pace.

He added that tracks, third-party inspection of which is due, is expected to be delivered to Indore by February 20 while a different agency has started its preparations to lay down the tracks on the elevated corridor.

"The work to start trial and then operation run of the Metro Rail are being done at fast pace and at satisfactory level while construction of the stations, which will have advanced facilities, have also started" Lalwani said.

Dharmendra Khatke

Work for Metro Rail going on in full swing in the city on Sunday

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	पत्रिका	Indore	05.02.2023	02	फरवरी अंत से बिछेगी पटरी, अन्डर ग्राउन्ड के लिए हाई कोर्ट- रेल्वे से लेनी होगी अनुमति	Neutral

मेट्रो: सांसद व एमडी ने एमजी रोड और राजबाड़ा के अंडर ग्राउंड विकल्पों पर की चर्चा

फरवरी अंत से बिछेगी पटरी, अंडर ग्राउंड के लिए हाई कोर्ट-रेलवे से लेनी होगी अनुमति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. मेट्रो के ट्रैक का कार्य तेजी से चल रहा है। शनिवार को सांसद शंकर लालवानी और एमडी मनीष सिंह ने मेट्रो कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान प्रायोरिटी कॉरिडोर, डिपो और गांधी नगर स्टेशन के कार्यों का प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया गया कि वायडक्ट का कार्य तेजी से चल रहा है। तीनों स्टेशन के ऊपरी हिस्से का काम जल्द शुरू हो जाएगा। फरवरी से पटरी बिछाई जाएगी। अगस्त में मेट्रो का ट्रायल रन हर हाल में शुरू हो जाएगा। अंडर ग्राउंड मेट्रो के लिए हाई कोर्ट और रेलवे से अनुमति लेने पर भी बात हुई।

बैठक में बताया गया कि गांधीनगर स्टेशन सबसे बड़ा स्टेशन होगा। विजय नगर पर भी बड़ा स्टेशन बनाएंगे। इसके लिए आइडीए से जमीन देने के लिए कहा गया है। लालवानी ने सुझाव दिया कि स्टेशन की डिजाइन में मालवा की संस्कृति की पहचान जरूर शामिल की जाए। एमडी ने बताया, ट्रायल रन का स्ट्रक्चर बनने के बाद अन्य कार्य तेजी से होंगे। प्रायोरिटी कॉरिडोर के अन्य कार्य जैसे सिग्नल, सब स्टेशन आदि की डिजाइन तैयार है।

हाई कोर्ट के सामने से अंडर ग्राउंड

बैठक में शहीद पार्क से आगे के विकल्प पर भी चर्चा की गई। सांसद ने कहा, शहीद पार्क से पलासिया और एयरपोर्ट से रामचंद्र नगर तक अंडर ग्राउंड ट्रैक का भी टेंडर जारी कर दें। इस पर अफसरों ने कहा, ट्रैक का एमजी रोड विकल्प तैयार होने के बाद एक साथ टेंडर करेंगे। एमजी रोड राजबाड़ा से एलिवेटेड पर लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष की आपत्ति के बाद रीगल से एयरपोर्ट तक अंडर ग्राउंड ट्रैक ही बनाएंगे। अब हाई कोर्ट के सामने से अंडर ग्राउंड करने का विकल्प तैयार किया है। सांसद ने पूछा कि रेलवे भी नया स्टेशन बना रहा है। यहां जगह के लिए रेलवे से बात करनी होगी। हाई कोर्ट से भी अनुमति लेनी होगी। अन्य जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा करने के बाद निर्णय लेंगे। अफसरों ने कहा, अंडर ग्राउंड स्लैब के लिए हाई कोर्ट के बगीचे का उपयोग करना होगा। बाद में इसे बना देंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	हिंदुस्तान मेल	Indore	05.02.2023	02	इस माह बिछेंगी पटरी.. अगस्त मे ट्रायल रन	Neutral

सांध्य दैनिक हिन्दुस्तान मेल

आपकी आवाज, हमारी कलम

मेट्रो को रफ्तार

समीक्षा बैठक के बाद मेट्रो एमडी ने अफसरों के साथ किया दौरा

इस माह बिछेंगी पटरी... अगस्त में ट्रॉयल रन

हिन्दुस्तान मेल, इंदौर

विधानसभा चुनाव के पहले सरकार ने इंदौर और भोपाल में मेट्रो ट्रेन दौड़ाने का लक्ष्य तय किया है। इसी के मद्देनजर मेट्रो के कार्य में जुटी एजेंसियां दिन-रात काम में जुटी हुई हैं। तय लक्ष्य से एक माह पहले यानि अगस्त-2023 में इंदौर-भोपाल में पटरी मेट्रो ट्रेन दौड़ाने का दावा किया जा रहा है। इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट पर तेज गति से जारी है। पहले चरण में करीब 6 किलोमीटर लम्बे गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर के तहत प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो चलाई जाएगी। अगस्त में ट्रॉयल रन शुरू कर दिया जाएगा।

शनिवार को आयोजित इंदौर मेट्रो ट्रेन की समीक्षा बैठक में डेड लाइन तय कर दी गई। सांसद शंकर लालवानी और एमडी मनीषसिंह की मौजूदगी में हुई बैठक में फरवरी के अंत में पटरी बिछाने की बात कही गई है। इंदौर में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर चल कार्य की दो-तीन माह में तस्वीर बदल गई है। गांधीनगर से लेकर रेडिसन तक काम की रफ्तार नजर आ रही है। जिस गति से काम चल रहा है, उसको देखते हुए यही लग रहा है... 6 माह बाद इंदौर में मेट्रो ट्रेन दौड़ते नजर आ सकती है। पहले चरण में गांधीनगर से लेकर रेडिसन तक करीब 17 किलोमीटर ट्रेक पर काम चल रहा है। एमपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर तक प्रायोरिटी कॉरिडोर 6 किलोमीटर के रूट पर मेट्रो चलाने की प्रथमिकता तय की है। अगस्त में पटरी पर मेट्रो दौड़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इंदौर मैट्रो प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा के लिए शनिवार को बैठक हुई। सांसद शंकर लालवानी व मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी मनीषसिंह ने कॉर्पोरेशन के अफसरों और एजेंसियों के कर्ताधर्ताओं के साथ बैठक कर मैट्रो रेल के निर्माण प्रगति कार्यों की समीक्षा की। इससे पूर्व मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने मैट्रो के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कांट्रिक्टर के साथ इंदौर मैट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण भी किया।

बैठक में अफसरों ने प्रजेंटेशन के माध्यम से सांसद को कार्य प्रगति से अवगत भी कराया। एमडी मनीष सिंह ने निर्माण सामग्रियों के आपूर्ति के पूर्व अफसरों द्वारा फैक्टरी विजिट कर गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने की जानकारी दी। सांसद लालवानी ने कार्यों की प्रगति को लेकर संतोष जाहिर किया। उन्होंने यह भी यह स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री द्वारा सितंबर-2023 में ट्रॉयल रन की निर्धारित समय सीमा रखी गई है। उसके अनुसार समय पर कार्य पूर्ण करना है, जिसमें हम कामयाब भी होंगे।

सिंह ने किया मुआयना

समीक्षा बैठक से पूर्व एमडी मनीषसिंह ने मेट्रो प्रोजेक्ट के चल रहे कार्यों का मौका मुआयना किया। एमडी ने गांधीनगर मेट्रो डिपो में निर्माणाधीन इंस्पेक्शन-वे, स्टेब्लिंग लाइन, ऑक्जिलरी सब स्टेशन 1 और 2, रिसीविंग सब स्टेशन, ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर आदि कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया और इस दौरान निर्माणाधीन कार्यों को ससमय पर पूरा करने के लिए निर्देशित भी किया। उन्होंने स्टेशन निर्माण की प्रगति पर संतोष भी जताया, साथ ही निर्देश दिए कि पीयर आर्म के कार्य 15 मार्च, 2023 तथा ट्रैक के लिए आई तथा पाई-गर्डर के कार्य मई में पूरे करें।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	Dainik Bhaskar	Indore	06.02.2023	06	राजबाड़ा थीम पर सजेगा इंदौर स्टेशन, स्काई वाक ओर मेट्रो स्टेशन बनेगा	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 06-02-2023 Pg-06

भास्कर खास • कायाकल्प : मध्यप्रदेश के 78 समेत देश के 1275 रेलवे स्टेशन होंगे आधुनिक

राजबाड़ा थीम पर सजेगा इंदौर स्टेशन, स्काई वॉक और मेट्रो स्टेशन बनेगा

शिवेंद्र दुबे | रतलाम

रेलवे ट्रेनों के बाद स्टेशनों को आधुनिक करने जा रहा है। इसकी थीम विकास भी-विरासत तय की है। इसमें मध्यप्रदेश के 78 समेत देश के 1275 स्टेशन शामिल हैं। रतलाम मंडल के उज्जैन स्टेशन का पुनर्निर्माण काशी की तरह होगा। महाकाल मंदिर तक जाने के लिए स्टेशन से रोप-वे बनेगा। इंदौर स्टेशन को राजबाड़ा थीम पर सजाया जाएगा। कैम्पस तक मेट्रो स्टेशन बनेगा। आने-जाने के लिए इंटरनेशनल कॉर्पोरेट्स ऑफिस की तरह स्काई वॉक बनेगा। रतलाम स्टेशन को एयरपोर्ट की शक्ल दी जाएगी। इसी तरह हर एक स्टेशन के लोकल हेरिटेज को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान बनाया जा रहा है। यात्री सुविधा के लिए अंब्रेला वर्क में चरणबद्ध क्रियान्वयन किया जाएगा। प्रत्येक स्टेशन पर 12 से 20 करोड़ रुपए तक खर्च होंगे। 2023 अंत तक स्टेशनों पर काम शुरू हो जाएगा। पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया अमृत भारत स्टेशन योजना में चयनित स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। मास्टर प्लान बनाए जा रहे हैं।

प्रदेश के इन स्टेशनों का होगा आधुनिकीकरण

रतलाम : रतलाम, दाहोद, देवास, नागदा, नीमच, बेरछा, अकोदिया, खाचरौद, मक्सी, मेघनगर, सीहोर, शुजालपुर, लक्ष्मीबाई नगर, लीमखेड़ा, चंदेरिया और मंदसौर।

भोपाल : इटारसी, संत हिरदाराम नगर, गुना, होशंगाबाद, हरदा, गंजबासौदा, विदिशा, अशोकनगर, शिवपुरी, रुठियाई, ब्यावरा राजगढ़, सांची, शाजापुर, खिरकिया, बानापुर, भोपाल, बीना।

जबलपुर : जबलपुर, सतना, कटनी, मैहर, रीवा, सागर, कटनी नरसिंहपुर, मुरवारा, पिपरिया, दमोह, गाडरवाड़ा, सीहोर रोड।

भुसावल : खंडवा, नेपानगर।

नागपुर : बैतूल, अमला, नाखेर, काटोल, पाढुर्ना, जुनारदेव, मुलताई, घोराडूंगरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, नैनपुर, मंडला फोर्ट।

झांसी : मुरैना, चित्रकूट, डबरा, दतिया, भिंड, टीकमगढ़, छतरपुर, ओरछा, ग्वालियर, खजुराहो, हरपालपुर।

बिलासपुर : बिजुरी, शहडोल, अनूपपुर।

कोटा : भवानीमंडी, आलोट और शामगढ़।

धनबाद : सिंगरौली।

ऐसे होगा स्टेशनों का आधुनिकीकरण

रूफ टॉप प्लाजा, सिटी सेंटर (जगह की उपलब्धता के अनुसार), 600 मीटर लंबाई के प्लेटफॉर्म, गिट्टी रहित प्लेटफॉर्म ट्रैक, फाइव-जी कनेक्टिविटी, पुरानी और बेकार इमारतों को तोड़कर एंट्री रोड का चौड़ीकरण, पैदल मार्ग, बड़ा व व्यवस्थित पार्किंग एरिया, यात्री प्रतीक्षालय के साथ कैफेटेरिया तथा कार्यालयों का आधुनिकीकरण व अन्य।

किस रेलवे जोन के कितने स्टेशन शामिल

मध्य रेलवे (सीआर) 93, पूर्व तटीय रेलवे (ईसीओआर) 57, पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) 89, पूर्व रेलवे (ईआर) 66, उत्तर-मध्य रेलवे (एनसीआर) 54, पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) 53, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) 87, उत्तर रेलवे (एनआर) 139, उत्तर पश्चिम रेलवे (एनडब्ल्यूआर) 69, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) 118, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) 49 दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) 69, दक्षिण रेलवे (एसआर) 111, दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) 52, पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) 51, पश्चिम रेलवे 118.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	Economic Times	Indore	06.02.2023	00	Indore metro to be started by September, 2023	Neutral

ET Infra.com Beta
From The Economic Times

Indore Metro to be started by September 2023

MP Shankar Lalwani and MPMRCL officials including managing director Manish Singh on Saturday reviewed progress of Indore Metro rail project and set the deadline of September 2023 to begin the trial and then operational run of the train in around a six-kilometer route between Gandhi Nagar and Super Corridor (S3) called 'super priority corridor'.

TNN • February 06, 2023, 06:41 IST

A+ A−

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	Free Press	Indore	06.02.203	03	Rs.7200 Cr funding for Indore Metro	Neutral

Metro ride for public only after work of Priority Corridor gets over: Officials

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Though the trial run of the Metro rail in the city will start in August or September on the Super Priority Corridor, it would be opened for the public only after the work of the Priority Corridor is completed, said officials.

Super Priority Corridor is 5-km long (Gandhi Nagar to Super Corridor) and the Priority Corridor is 17-km (Gandhi Nagar to Radisson). Officials made it clear that the trial run after completion of the Super Priority Corridor is only for testing, and not for the public.

The Metro rail will open for the public only after the complete development of the Priority Corridor and completion of all the Metro stations along the route.

Officials said that after completion of the Super Priority Corridor and some major work of Priority Corridor, the project will be shifted towards Palasia Square.

According to officials when the project work gets started in the Palasia area, there will be major traffic diversions, which are yet to the chalked out. But, they would be towards the Ring Road and other connecting roads, the officials added.

THE FREE PRESS JOURNAL Mon, 06 February 2023 https://epaper.freepre

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	Dainik Bhaskar	Indore	10.02.2023	01	इंदौर से पीठमपुर, उज्जैन सहित 14 रोड होंगे हाई डिमैन्ड कोररिडोर; एयरपोर्ट से कनाडिया के बीच भी चलेगी मेट्रो	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 10-02-2023 Pg-01

कॉम्प्रिहेन्सिव मोबिलिटी सर्वे • केंद्र सरकार की रिपोर्ट में 2040 तक 75 लाख होगी शहर की आबादी

इंदौर से पीथमपुर, उज्जैन सहित 14 रोड होंगे हाई डिमांड कॉरिडोर; एयरपोर्ट से कनाड़िया के बीच भी चलेगी मेट्रो

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देश की सबसे तेज बढ़ती टीयर-टू सिटी इंदौर के लिए केंद्र सरकार ने कॉम्प्रिहेन्सिव मोबिलिटी सर्वे किया है। इसके अनुसार 2040 तक शहर की आबादी 75 लाख तक पहुंच जाएगी। शहर के विकास की तेज रफ्तार को देखते हुए लोक परिवहन पर फोकस करते हुए जो विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है उसमें शहर की आबादी के हिसाब से 7 ट्रांजिट सिस्टम बनाने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एयरपोर्ट से कनाड़िया, एबी रोड, इंदौर-उज्जैन, पीथमपुर और महू रोड हाई डिमांड कॉरिडोर होंगे। इन सड़कों पर जहां ट्रैफिक का सबसे ज्यादा दबाव होगा, वहीं इनसे जुड़े क्षेत्रों में बसाहट भी तेजी से बढ़ेगी। इंदौर से उज्जैन, पीथमपुर, महू के लिए तो मेट्रो ट्रेन प्रस्तावित है ही, अब एयरपोर्ट से कनाड़िया गांव तक भी मेट्रो चलानी होगी। गुरुवार शाम सिटी बस ऑफिस में अफसरों ने इससे जुड़ी योजनाएं बनाने पर मंथन किया। बैठक में कलेक्टर इलैया राजा टी, निगमायुक्त प्रतिभा पाल, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के जीएम केसी चौहान सहित टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, ट्रैफिक पुलिस के अफसर भी मौजूद थे।

इन पर करना होगा फोकस

1. एबी रोड
2. इंदौर-उज्जैन रोड
3. एयरपोर्ट से कनाड़िया
4. सर्कुलर कॉरिडोर
5. इंदौर-धार रोड
6. पूर्वी बायपास
7. पश्चिमी बायपास
8. इंदौर-महू कॉरिडोर
9. सुपर कॉरिडोर
10. बड़ी भमौरी सड़क
11. पालदा से नौलखा कॉरिडोर
12. खंडवा से इंदौर कॉरिडोर
13. माणिकबाग कॉरिडोर
14. आरआर कैट रोड

बसों का विस्तार इस तरह करना होगा

- 2027 तक: 1153 किमी में 996 बसें चलानी होंगी
- 2027 से 2032: 1360 किमी में 1510 बसों के संचालन की आवश्यकता होंगी।
- 2032 से 2042: 1883 किमी में 2953 बसों की जरूरत होगी

सिटी और आई बसों की संख्या बढ़ाएंगे

वर्तमान में हम 450 सिटी बसें विभिन्न रूटों पर चला रहे हैं। भविष्य के लिए प्लानिंग की जा रही है। हमारी कोशिश है कि वर्ष 2027 से पहले ही हम आई बस और सिटी बसों की संख्या बढ़ा लें। - **प्रतिभा पाल,** निगमायुक्त

3000 बसें चलाना होंगी

- हाई डिमांड कॉरिडोर पर रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम विकसित करना होगा।
- फिलहाल शहर में 450 बसें संचालित की जा रही हैं, 17 साल बाद इन्हें 3 हजार तक बढ़ाना होगा।
- अभी एआईसीटीएसएल 25 किमी के क्षेत्र में पब्लिक ट्रांसपोर्ट मुहैया करवाता है। आने वाले समय में देवास, महू, पीथमपुर, उज्जैन, एयरपोर्ट की तरफ भी 25 किमी की परिधि से आगे जाना होगा।
- मौजूदा मास्टर प्लान में शहर का क्षेत्रफल 550 वर्ग किमी है, 17 साल बाद बढ़कर 871 वर्ग किमी हो जाएगा। इस अनुसार नए रूट प्लान, जंक्शन, सड़कें, साइकिल ट्रैक व मेट्रो पर काम करना होगा।
- करीब दो लाख लोगों का रोजाना उज्जैन, पीथमपुर और महू रूट पर आना-जाना हो रहा, तीनों रूटों पर मेट्रो का विस्तार करना होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	Nai Dunia	Indore	10.02.2023	01	नई राह.. अब जवाहर मार्ग से घूमकर जा सकती है मेट्रो, तीन विकल्प तैयार	Neutral

Pg-01

नई सोच, नया अंदाज
नईदुनिया
इंदौर, शुक्रवार 10 फरवरी, 2023
www.naidunia.com
इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

नई राह... अब जवाहर मार्ग से घूमकर जा सकती है मेट्रो, तीन विकल्प तैयार

नवीन यादव • इंदौर

शहर में मेट्रो के पहले चरण का काम तेजी से चल रहा है। दूसरे चरण की तैयारी भी तेज हो गई है। रोबोट चौराहे से पलासिया के लिए रूट की योजना बना कर वित्त अनुमति का प्रस्ताव भेजा गया है, वहीं पलासिया से बड़ा गणपति के बीच में मेट्रो चलाने को लेकर संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। मेट्रो कंपनी के अधिकारी शहर के मध्य क्षेत्र से मेट्रो गुजारने को लेकर हर बिंदु पर सर्वे कर रहे हैं।

मध्य क्षेत्र में मेट्रो रूट के तीन विकल्प तैयार कर लिए गए हैं। सबसे अधिक संभावना इस बात की है कि मेट्रो जवाहर मार्ग के यहां से घूम कर चली जाए। इससे राजवाड़ा के बाजारों में यात्रियों को पहुंचने में परेशानी नहीं होगी। हालांकि यह तय है कि शहर के मध्य इलाके में मेट्रो का स्वरूप भूमिगत ही रहेगा।

दो दिन पहले मेट्रो कंपनी के अधिकारी अपोलो टावर के यहां सर्वे करने पहुंचे थे। यहां मेट्रो स्टेशन बनाने की संभावनाएं तलाशी जा रही थीं। हालांकि अपोलो टावर के व्यापारी इसका विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा दूसरे स्थानों पर भी मेट्रो को लेकर सर्वे किया जा रहा है। मेट्रो कंपनी के सूत्रों का कहना है कि पहले चरण का काम तेजी से चल रहा है। अगर अभी से दूसरे चरण को लेकर तैयारी नहीं की गई तो पूरे प्रोजेक्ट में देरी हो जाएगी। आम नागरिकों के लिए मेट्रो ट्रेन तभी लाभकारी होगी, जब पूरे 31.5 किलोमीटर के कारिडोर में चले।

दूसरे चरण की तैयारी तेज

हर संभावना पर सर्वे कर रही मेट्रो कंपनी, सबकी सहमति से होगा अंतिम निर्णय

ये हैं विकल्प

1 मेट्रो एमजी रोड से निकाली जाएगी। यह ट्रेन कोठारी मार्केट, कृष्णपुरा पुल, मल्हारगंज होते हुए बड़ा गणपति पर पहुंचेगी।

2 मेट्रो ट्रेन पलासिया से रेसकोर्स रोड होकर, बालविनय मंदिर और सुभाष मार्ग होकर बड़ा गणपति पहुंचेगी। यह विकल्प पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने दिया था।

3 मेट्रो बड़ा गणपति से भूमिगत होकर मल्हारगंज पहुंचेगी। यहां से जवाहर मार्ग होते हुए संजय सेतु पहुंचेगी। सियागंज से होकर रेलवे स्टेशन आएगी और फिर डीआइजी आफिस होते हुए मेट्रो हाई कोर्ट के बगीचे में से बाहर आ जाएगी। यह विकल्प अभी तैयार किया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि आम नागरिकों के लिए मेट्रो ट्रेन तभी लाभकारी होगी, जब पूरे 31.5 किलोमीटर के कारिडोर में चले

15 अगस्त तक होना है ट्रायल रन

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार अभी पहले चरण का 17.5 किलोमीटर का काम चल रहा है। इसमें भी 15 अगस्त तक सुपर प्रायोरिटी कारिडोर पर ट्रायल रन होना है। यहां का काम तेजी से चल रहा है। जिसमें डिपो बनाना, पटरी बिछाना और स्टेशन बनाना शामिल है। पाइलिंग कर पिलर खडे करने का काम लगभग हो गया है। इसके अलावा सेगमेंट लगाने के लिए 4 लांचर और 2 ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम की मदद से तैयारी की जा रही है।

शहर के मध्य में कम तोड़फोड़ चाहते हैं अधिकारी

मेट्रो कंपनी के एमडी मनीष सिंह इंदौर के पूर्व कलेक्टर और निगमायुक्त रह चुके हैं। वे शहर की बसाहट को काफी अच्छे से जानते हैं। उनकी यह मंशा है कि शहर के मध्य से मेट्रो कुछ इस तरह से गुजरे कि तोड़फोड़ कम हो। हालांकि एमडी सिंह इस संबंध में पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन और अन्य जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर उचित निर्णय लेना चाहते हैं। संभवतः अगले सप्ताह उनकी बैठक होगी। इसके अलावा रेलवे अधिकारियों के साथ एक बैठक भी जल्द होगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	Patrika	Indore	10.02.2023	02	2042 तक मेट्रो और मल्टी नोडल इंटीगरटेड पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम होगा जरूरी	Neutral

पत्रिका सिटी व्यू & रिव्यू
patrika.com CITY VIEW REVIEW
02 पत्रिका patrika.com
इंदौर, शुक्रवार, 10 फरवरी, 2023

कांप्रेहेन्सिव्ह मोबेलिटी का ड्राफ्ट प्लान तैयार

2042 तक मेट्रो और मल्टी नोडल इंटीग्रेटेड पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम होगा जरूरी

यह स्थिति 20 साल बाद जनसंख्या होगी 73.5 लाख, इसमें 32.9 लाख होंगे कामकाजी।

यह चाहिए आवाजाही के लिए बड़ा ट्रैफिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक इंटीग्रेटेड लोक परिवहन।

यह बनाना होगा 124 किमी के मेट्रो कॉरिडोर, पांच साल में 225 किमी सड़कें और 37 फ्लाई ओवर व ग्रेड सेपरेटर।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. शहर के विस्तार को देखते हुए सरकार ने भविष्य की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहरी विकास मंत्रालय के साथ मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन शहर में ट्रैफिक सुधार व आवाजाही के लिए एक विस्तृत कांप्रेहेंसिव्ह मोबेलिटी प्लान तैयार कर रही है। प्रारंभिक सर्वे के बाद अरबन मास ट्रांजिट कंपनी ने गुरुवार को ड्रॉफ्ट प्लान प्रस्तुत किया। इसमें शहर के 2042 तक के फैलाव, जनसंख्या, ट्रैफिक और आवाजाही के दबाव को देखते हुए कार्ययोजना प्रस्तुत की गई हैं।

एजेंसी द्वारा प्रस्तुत प्लान के अनुसार उस समय शहर की जनसंख्या 73.5 लाख होगी। इसमें 32.9 लाख लोग कामकाज के लिए आवाजाही करेंगे। शहर को बेहतर मेट्रो और मल्टी नोडल इंटीग्रेटेड पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम की जरूरत होगी। इसे देखते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर, लोक परिवहन के विभिन्न मॉड का इंटीग्रेशन व अन्य जरूरी व्यवस्थाएं करनी होगी। मास्टर प्लान की सड़कें, फ्लाई ओवर व विकल्प तैयार करने होंगे। आसपास फैल रहे क्षेत्रों के लिए मेट्रो का नेटवर्क बनाना होगा। बैठक में कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी, निगमायुक्त प्रतिभा पाल, मेट्रो जीएम केसी चौहान, संयुक्त संचालक एसके मुद्गल, आइडीए सीईओ आरपी अहिरवार, डीएसपी ट्रैफिक बंसत कौल व सुनील शर्मा मौजूद थे। अब ड्रॉफ्ट प्लान के आधार पर प्रशासन, नगर निगम, आइडीए प्राथमिकताएं तय करेंगे।

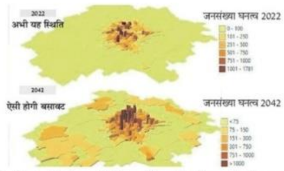

यह करना होगा

- **सड़कों की प्राथमिकता :** मास्टर प्लान की प्राथमिक सड़कों को तय करना होगा, जिन्हें शामिल करके ट्रैफिक सुगम बना सकें।
- **मिसिंग लिंक बनाना :** वर्तमान में कई सड़कों को आपस में जोड़ने के लिए बीच की सड़कें नहीं बनी हैं। लिंक को बना कर ट्रैफिक को सुगम बनाना होगा।
- **सिटी बस रूट्स का संयुक्तिकरण :** लोक परिवहन के लिए सिटी बसें, ई-रिक्शा, वैन व अन्य विकल्पों का संयुक्तिकरण करना होगा। इसके लिए वर्तमान सिटी बस रूट्स को इनके साथ रेशनलाइज करना होगा।
- **इलेक्ट्रिक व्हीकल प्रमोशन :** कार्बन इमिशन कम करने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसे विकल्पों पर जोर देने की जरूरत है।
- **मेट्रो के विस्तार कॉरिडोर :** अगले 20 साल में शहर का विस्तार देवास, उज्जैन, पीथमपुर, धार की ओर होगा। इन तक सुगम आवाजाही के लिए लाइट मेट्रो, रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम, ब्रॉडगेज मेट्रो जैसे विकल्प तैयार करना होगा। इसके लिए कुल 272 किमी की लाइनें डालना होगी। इसमें 124 किमी के रूट पर प्राथमिकता से विचार करना होगा।
- **साइकिल के लिए लूप :** बैठक में मोटराइज्ड वाहनों की संख्या कम करने के विकल्पों पर विचार किया। इसके लिए इस तरह के साइकिल लूप बनाएं जिसे लोग अपने कार्यालय आने-जाने के लिए उपयोग करें।

चार मेट्रो कॉरिडोर किए गए चिन्हित

- इंदौर एयरपोर्ट से कनाड़िया
- इंदौर से उज्जैन
- इंदौर - महू - पीथमपुर
- इंदौर धार रोड

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	Nai Dunia	Indore	17.02.2023	08	भोपाल ओर इंदौर मेट्रो स्टेशन पर लगेंगे प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर	Neutral

भोपाल और इंदौर मेट्रो स्टेशन पर लगेंगे प्लेटफार्म स्क्रीन डोर

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भोपाल और इंदौर मेट्रो स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए पीएसडी यानी प्लेटफार्म स्क्रीन डोर लगाए जाएंगे। इससे ट्रैक पर कूदकर आत्महत्या करने वालों पर रोक लगेगी। साथ ही किसी भी व्यक्ति के ट्रैक पर गिरने या चलती ट्रेन की चपेट में आने का जोखिम भी नहीं होगा। अमूमन ये दरवाजे केवल एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर ही लगाए जाते हैं। पीएसडी मेट्रो डोर ट्रैक और प्लेटफार्म के बीच कांच की दीवार के रूप में बैरियर का काम करती है। इसी में लगे दरवाजे मेट्रो ट्रेन के आने पर खुलते और बंद होते हैं।

मप्र मेट्रो कार्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली व मुंबई समेत अन्य शहरों में दौड़ने वाली मेट्रो की लाइन ऊपरी हिस्से में है, लेकिन भोपाल और इंदौर मेट्रो की विद्युत लाइन ट्रैक के किनारे नीचे बिछाई जाएगी। ऐसे यात्रियों को खतरे से बचाने के लिए सभी मेट्रो स्टेशनों में पीएसडी डोर लगाए जाएंगे। पीएसडी गेट से ध्वनि प्रदूषण कम होगा। इससे यात्रियों को प्लेटफार्म पर होने वाली उद्घोषणाएं सुनने में भी दिक्कत नहीं होगी।

अप्रैल में आएगा माकअप माडल

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार भोपाल और इंदौर में सितंबर 2023 से मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करना है। इसके लिए निर्माण कार्यों की गति बढ़ा दी गई है। वहीं अप्रैल महीने में मेट्रो का माकअप (माडल डिब्बा) भोपाल आ जाएगा, जिससे जनता इसे देखकर मेट्रो के डिब्बों के बारे में समझ सकेंगे। फिलहाल मेट्रो रेल के अधिकारी जगह चिह्नित कर रहे हैं कि यह माडल डिब्बा कहां रखा जाए। इसके बाद जून महीने से मेट्रो रेल के हिस्सों की आपूर्ति शुरु हो जाएगी।

भीड़ प्रबंधन में मिलेगी मदद, ट्रैक पर यात्रियों के गिरने का नहीं होगा डर

हादसों को रोकने के लिए भोपाल व इंदौर मेट्रो के स्टेशनों में प्लेटफार्म स्क्रीन डोर लगाने का निर्णय किया गया है। पारदर्शी शीशे के बीच मेट्रो रेल के दरवाजे जुड़े होंगे। जैसे ही मेट्रो प्लेटफार्म पर आएगी, रेल के दरवाजे और प्लेटफार्म स्क्रीन डोर एक साथ खुल जाएंगे।

– मनीष सिंह, प्रबंध संचालक मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	Nai Dunia	Indore	20.02.2023	03	मेट्रो डिपो के पाइल का काम 50 प्रतिशत	Neutral

इंदौर सिटी
नईदुनिया | 3
इंदौर, सोमवार 20 फरवरी, 2023

मेट्रो डिपो के पाइल का काम 50 प्रतिशत पूरा

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। गांधीनगर में बन रहे मेट्रो के डिपो के लिए पाइल का काम 50 प्रतिशत पूरा हो गया है। जल्द ही गर्डर रखे जाएंगे। गांधीनगर से सुपर कारिडोर के करीब साढ़े पांच किमी हिस्से में मेट्रो का ट्रायल रन अगस्त में होगा। गांधी नगर स्टेशन सबसे बड़ा होगा। यहां मेट्रो की तीन लाइनें होंगी। सुपर प्रायोरिटी रूट पर पिलर और सेगमेंट का काम जारी है। एमआर 10 पर काम में तेजी है। सबसे पहला पिलर भी यहीं खड़ा किया गया था। लगभग 90 प्रतिशत पिलर तैयार हैं। इन पर सेगमेंट लगाए जा रहे हैं। अभी पूरे 17.5 किमी के पहले चरण में चार लांचर काम कर रहे हैं।

ट्रायल रन के लिए मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। ● नईदुनिया

मध्य हिस्से को लेकर जल्द निर्णय हो : मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार अभी तो ट्रायल रन हिस्से को लेकर काम चल रहा है। शहर में पलासिया से लेकर बड़ा गणपति तक इसका स्वरूप कैसा हो, इस पर निर्णय नहीं हुआ है। इस पर निर्णय लेने के लिए जल्द ही एक बैठक होना संभव है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	Dainik Bhaskar	Indore	20.02.2023	02	सुपर प्राइऑरटी कॉरिडर पर पाइल का काम 50 फीसदी पूरा, 10 दिन बाद डालेंगे पाइ गर्डर	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 20-02-2023 Pg-J2

मेट्रो सिटी की तस्वीर... जहां मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के साथ आईएसबीटी भी आकार ले रहा

सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर पाइल का काम 50 फीसदी पूरा, 10 दिन बाद डालेंगे पाई गर्डर

एमआर-10 क्षेत्र में मेट्रो प्रोजेक्ट। फोटो | ओपी सोनी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने 5.9 किमी के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर काम की स्पीड बढ़ाई है। इस माह के अंत तक पाई गर्डर डालने का काम शुरू होगा। पाइल का काम 50 फीसदी तक हो चुका है। सारी डिजाइन फाइनल हो चुकी है। खासकर गांधी नगर स्टेशन से तीन लेन गुजरेगी। मेट्रो ट्रायल रन की डेटलाइन सितंबर 2023 तय की गई है। करीब छह माह तक ट्रायल चलेगा। ट्रेन को 10 किमी, 20 किमी से लेकर 90 किमी की स्पीड पर चलाकर देखा जाएगा। लोड टेस्टिंग होगी।

जहां पिलर्स तैयार, वहां सेगमेंट लगा रहे

सुपर प्रायोरिटी रूट पर पिलर का काम चल रहा है। इसके अलावा जहां पिलर्स तैयार हैं, उन पर सेगमेंट लगाने का काम चल रहा है। पाई गर्डर का काम चुनौतीपूर्ण होता है, इसलिए खास सतर्कता बरती जा रही है। पिछले दिनों इसी रूट पर ट्रैफिक को साइड की सर्विस रोड पर डायवर्ट किया गया था।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	Patrika	Indore	20.02.2023	02	इंदौर में मेट्रो वायडक्ट को अब पटरी का इंतज़ार	Neutral

मेट्रो ट्रैक वायडक्ट दो हिस्सों में तैयार

इंदौर में मेट्रो वायडक्ट को अब पटरी का इंतजार

पत्रिका फोटो स्टोरी

इंदौर @ पत्रिका. शहर में अगस्त-2023 में सुपर कॉरिडोर स्थित सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो चलाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए गांधीनगर से एमआर-10 आइएसबीटी व आइएसबीटी से शहीद पार्क तक रूट का सिविल कार्य तेजी से चल रहा है। इसके दोनों हिस्सों में पियर्स बन गए हैं। इन पर पटरी बिछाने के लिए वायडक्ट गर्डर रखे जा रहे हैं। आइएसबीटी से विजय नगर व गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर आरओबी तक वायडक्ट तैयार हो रहे हैं। इन पर फरवरी अंतिम सप्ताह से पटरी बिछाने का कार्य शुरू किया जाना है। विजय नगर से आइएसबीटी तक का यह विहंगम दृश्य पूर्वी क्षेत्र में मेट्रो से बदलाव की तस्वीर पेश कर रहा है। ट्रैक के आसपास विकसित हो रहे आवासीय व व्यावसायिक क्षेत्रों को परिलक्षित करते हुए नए इंदौर की झलक दिखने लगी है।

फोटो: रवींद्र सेठिया

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
27	Free Press	Indore	20.02.2023	02	Metro officials rubbish bridge collapse claims	Neutral

INDORE CITY 02

www.freepressjournal.in INDORE | MONDAY | FEBRUARY 20, 2023

Metro officials rubbish bridge collapse claims

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

A video of a concrete slab collapsing on vehicles went viral in the social media on Sunday and the message that this had taken place in the under-construction Indore Metro project, alarmed all those who saw it.

However, the officials of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation rubbished the claims and said it was a fake video and everything was fine in Indore. They issued a statement in their social media account. Officials said the video was that of an under-construction flyover in Varanasi which collapsed in 2018 in which at least 12 people died. Metro authorities said they will approach authorities to take action against those responsible for circulating the fake video and creating a sensation.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
28	पत्रिका	Indore	20.02.2023	02	2042 तक लोक परिवहन के लिए चाहिए 2950 सिटी बस व 124 किमी मेट्रो लाइन	Neutral

लोक परिवहन के रूट्स रेशनलाइजेशन प्रस्ताव पर तीन फेज में करना होगा काम

2042 तक लोक परिवहन के लिए चाहिए 2950 सिटी बस व 124 किमी मेट्रो लाइन

पत्रिका महाभियान
शहर की चाह आसान हो राह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंदौर के अस्त-व्यस्त लोक परिवहन को सुगम बनाने के लिए 20 साल में बड़े बदलाव करने होंगे। शहर में मेट्रो का प्रस्तावित 97 प्रतिशत रूट सिटी बस व इंटरमिडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट से ओवरलेप हो रहा है। इस विसंगति को दूर करने के लिए मौजूदा रूट को युक्तिसंगत यानी रेशनलाइज कर विस्तृत नेटवर्क तैयार करना है। इसके लिए 2042 तक शहर में 2950 सिटी बस का 1900 किमी रूट नेटवर्क व 124 किमी की विभिन्न 7 मेट्रो लाइन विकसित करने की जरूरत है।

शहर के बढ़ते दायरे, ट्रैफिक और वाहनों की संख्या के लिए अर्बन मास ट्रांजिट द्वारा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के लिए कांप्रेहेंसिव मोबेलिटी का ड्राफ्ट प्लान तैयार किया है। प्लान पर प्रशासन, नगर निगम व ट्रैफिक विभाग के अफसरों ने मंथन शुरू कर दिया है। निगम ऑफिशियल्स के अनुसार पहले लोक परिवहन की सुगम उपलब्धता पर काम किया जा रहा है। इसके लिए यूएमटीसी से पब्लिक ट्रांसपोर्ट रूट्स के रेशनलाइजेशन का प्लान मांगा है। जिससे नए रूट्स तैयार किए जाएं। इससे शहर में लोक परिवहन का सुगम व लास्ट माइल कनेक्टिविटी नेटवर्क तैयार होगा। नगर निगम ने इस पर काम शुरू कर दिया है।

यह है रेशनलाइजेशन प्लान

मोबेलिटी सर्वे के अनुसार, अभी सिटी बस के 37 रूट पर 450 से ज्यादा बसें चल रही हैं। इसके अलावा 59 रूट इंटरमीडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट के हैं। ड्राफ्ट प्लान में लोक परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए रूट्स को युक्तिसंगत यानी रेशनलाइज्ड करने का प्रस्ताव बनाया है। इससे समानांतर रूट्स पर सभी वाहन एक साथ नहीं चल सकेंगे। नए व मौजूदा रूट को सुगम बनाने का काम एआइसीटीएसएल ने शुरू कर दिया है। इंटरमीडिएट व फीडर रूट, ट्रंक रूट आदि पर विचार हो रहा है। इसमें आइटीपी व सिटी बस के रूट शामिल किए हैं। आइटीपी के 46 रूट समाप्त कर नए रूट बनाने होंगे।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट की स्थिति व प्रस्ताव

शहर में मेट्रो लाइन प्रस्ताव

लाइन वन	18.4
लाइन वन बी	13.5
लाइन 2	28.9
लाइन 3 वन	11.9
लाइन 3 टू	9.1
लाइन 3 एस	15.1
लाइन 4	16.9

सिटी बस इंफ्रा

कुल सिटी बस	470
संचालित रूट	37
कुल नेटवर्क	604 किमी
प्रतिदिन यात्री	2 लाख से ज्यादा
औसत रूट	16.5

ई- रिक्शा

कुल रूट्स	51
नेटवर्क	194 किमी

वैन-मैजिक

कुल रूट	59
नेटवर्क	760 किमी

तीन फेज की प्रस्तावित योजना

पहला फेज - 2022 से 2027
रूट एक्सटेंशन - 25 किमी
नए रूट्स - 243 किमी
अनुमानित बस - 996
इंफ्रास्ट्रक्चर - नवलखा, गंगवाल व जिंसी को इंट्रासिटी बस स्टैंड व आइएसबीटी व नायता मुंडला बस स्टैंड शुरू करना।

दूसरा फेज - 2027 से 2032
नए रूट - 208
बसों की संख्या - 1510
इंफ्रास्ट्रक्चर - इंट्रा व इंटर सिटी के साथ एक मल्टी मॉडल हब विकसित करना होगा। राऊ में आइएसबीटी बनाना होगा। तीन इमली पर बस सुविधा।

तीसरा फेज - 2032 से 2042
नए रूट्स - 523 किमी, शहर में 25 किमी रेडियस में बसों का संचालन।
बस संख्या - 2953
इंफ्रास्ट्रक्चर - मल्टी मॉडल हब और कुल 882 सिटी बस स्टाफ विकसित करना होगा।

पहले फेज में 546 सिटी बसें

इस बदलाव को तीन फेज में लागू करने का प्रस्ताव है। 2027 तक पहला फेज होगा। इसमें वर्तमान रूट्स में 25 किमी की बढ़ोतरी करनी होगी। फैलते शहर के लिए 243 किमी के नए रूट्स तैयार करने होंगे। इसके लिए आने वाले 5 साल में 546 सिटी बसों की जरूरत होगी। इसमें इंट्रासिटी बस स्टैंड गंगवाल, जिंसी और नवलखा को बनाना होगा। वहीं इंटर सिटी के लिए आइएसबीटी शुरू करने होंगे।

METRO NEWS

21st FEBRUARY,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
29	Nai Dunia	Indore	21.02.2023	06	इंदौर की देह पर चढ़ी विकास की जनेऊ	Neutral

इंदौर की देह पर चढ़ी विकास की 'जनेऊ'

इंदौर इन दिनों मध्य प्रदेश की आंखों का तारा बना हुआ है। जिस तेजी से यहां विकास हो रहा है, उस गति से देश-प्रदेश के किसी अन्य शहर में होता दिखाई नहीं पड़ता। इंदौर में मेट्रो ट्रेन का ट्रैक बनने की गति में भी बीते कुछ दिनों से रफ्तार आई है। रेडिसन चौराहा से विजयनगर चौराहा होते हुए बापट चौराहे के बीच तो ट्रैक की स्पष्ट लकीर दिखाई देने लगी है। मानो शहर की देह पर विकास की जनेऊ चढ़ गई हो। विजय नगर चौराहा की रोटरी अब गायब हो गई है और चौराहा चौड़ा होकर स्पष्ट दिखने लगा है। विकास की यह रफ्तार देखकर हर इंदौरी का मानो हीमोग्लोबीन बढ़ रहा है।

● प्रफुल्ल चौरसिया 'आशु'

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
30	Agnibaan	Indore	21.02.2023	07	25 फरवरी से मेट्रो के प्राइऑरटी कॉरिडर पर पटरियाँ बिछना शुरू	Neutral

अग्निबाण Indore Page No. 7 Feb 20, 2023

सुपर कॉरिडोर के स्टेशन 5 से शुरू होगा काम, जिंदल स्टील करेगा सप्लाय, तो मैक्सको को दिया बिछाने का ठेका

25 फरवरी से मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर पटरियां बिछना शुरू

इंदौर।

मेट्रो प्रोजेक्ट के काम की गति पिछले कुछ दिनों से बढ़ी है, ताकि अगस्त-सितम्बर में प्रस्तावित लगभग साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल रन लिया जा सके। सुपर कॉरिडोर के स्टेशन 5 से 25-26 फरवरी से पटरियों को बिछाने की शुरुआत की जा रही है। पिछले दिनों ही कार्पोरेशन ने जिंदल स्टील को पटरियों के सप्लाय का, तो बिछाने का ठेका टैक्समेको को दिया है। कल एक फर्जी वीडियो के वायरल होने के चलते भी मेट्रो से जुड़े अफसरों को दौड़ लगाना पड़ी। इस फर्जी वीडियो को यह कहकर वायरल कर दिया की इंदौर मेट्रो ब्रिज धराशायी हो गया।

इन दिनों एयरपोर्ट से लेकर सुपर कॉरिडोर होते हुए सायाजी, विजय नगर, रेसीडसन से रोबोट चौराहा तक तेज गति से काम चल रहा है। लगभग साढ़े 17 किलोमीटर का यह हिस्सा एलिवेटेड रहेगा। मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह लगातार प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने अगस्त की डेडलाइन ही ट्रायल रन के लिए तय की, जो कि सुपर कॉरिडोर पर साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर होना है, जिसके चलते पाइल का काम भी काफी कुछ हो चुका है और अब 25 फरवरी से पटरियां को बिछाने की शुरुआत की जाएगी। दरअसल विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की इच्छा है कि इंदौर-भोपाल में मेट्रो का ट्रायल रन हो जाए, जिसके चलते अब पूरा जोर प्रायोरिटी कॉरिडोर को पूरा करने में लगाया जा रहा है। जिंदल स्टील को पटरियां सप्लाय करने का ठेका दिया गया है, तो कलकत्ता की टैक्समेको रेल एंड इंजीनियरिंग कम्पनी को पटरियों को बिछाने का ठेका मिला है। लगभग 252.88 करोड़ का यह ठेका कुछ समय पूर्व ही मंजूर किया गया है। प्रायोरिटी कॉरिडोर पर सेगमेंट लॉन्चिंग से लेकर अन्य कार्य भी हो चुके हैं। वहीं गांधी नगर स्टेशन का निर्माण भी तेज गति से चल रहा है, जिसके लिए सुपर कॉरिडोर के मैन केरेजवे को ट्रैफिक के लिए बंद भी किया गया है और दोनों तरफ सर्विस रोड से ट्रैफिक की आवाजाही की जा रही है। अभी 17 किलोमीटर के हिस्से पर काम हो रहा है, लेकिन रोबोट चौराहा से पलासिया और वहां से एमजी रोड, राजवाड़ा, बड़ा गणपति होते हुए एयरपोर्ट तक के कॉरिडोर पर निर्णय होना है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
31	Nai Dunia	Indore	22.02.2023	02	प्राइऑरटी कॉरिडर के स्टेशनो पर पीयर का काम पूरा, अब डाली जाएगी गर्डर	Neutral

प्रायोरिटी कारिडोर के स्टेशनों पर पियर का काम पूरा, अब डाली जाएगी गर्डर

तरक्की ● इस सप्ताह शुरू हो सकता है पटरी बिछाने का काम, काफी तेजी से चल रहा है पिलरों को सेगमेंट से जोड़ने का काम

नवीन यादव ● इंदौर

शहर में मेट्रो परियोजना का काम तेज गति से चल रहा है। सुपर प्रायोरिटी कारिडोर जहां पर अगस्त में ट्रायल किया जाना है, वहां काम की गति काफी अधिक है। यहां पर बन रहे स्टेशन पर पियर डालने का काम पूरा हो गया है। अब गर्डर डाली जाएगी। इस सप्ताह ट्रैक पर पटरी बिछाने का काम शुरू हो जाएगा।

जानकारी के अनुसार प्रायोरिटी कारिडोर पर अगस्त तक ट्रायल का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए यहां पर ट्रैक और स्टेशन बनाने हैं। इसके अलावा यहां पर विशाल डिपो भी बनना है। मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार साढ़े पांच किमी के सुपर प्रायोरिटी कारिडोर में पिलरों को सेगमेंट से जोड़ने का काम काफी तेजी से चल रहा है। यहां पर स्टेशन भी बनाए जा रहे हैं। गांधी नगर स्टेशन यहां का सबसे बड़ा स्टेशन होगा। इसके नीचे से वाहन भी गुजरेंगे। यहां पियर डालने का पूरा काम हो गया है। जल्द ही गर्डर डाल दी जाएगी, जिससे काम आगे बढ़ सकेगा। इसके लिए निर्माण कर रही कंपनी ने उच्च वजन क्षमता वाली क्रेन भी बुलवा ली है। अधिकारियों ने बताया कि पटरी बिछाने का काम भी इसी सप्ताह शुरू हो जाएगा। कोलकाता की कंपनी टैक्समोरेल को यह ठेका मिला है।

गांधी नगर मे बन रहे मैट्रो स्टेशन का माडल। ● सौ. मैट्रो रेल कारपोरेशन

ट्रायल से मिल जाएगी जानकारी

अधिकारियों का कहना है कि अगस्त में जब यह ट्रायल होना है तब वर्षाकाल आ जाएगा। इसलिए जून तक काफी तेजी से काम करना होगा। इसके अलावा ट्रायल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि ट्रायल रन में भले ही यात्री सफर न कर पाएं, लेकिन ट्रेन का संचालन करने के लिए सारी तैयारी करनी होगी। एक बार यह सारे इंतजाम हो जाएंगे तो इसके बाद जल्द ट्रेन शुरू करने में कोई परेशानी नहीं आएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
32	Dainik Bhaskar	Indore	23.02.2023	01 Front Page	इंदौर मेट्रो के दो अहम पड़ाव.. सुपर कोररिडोर पर पहला पाई-गर्डर लॉन्च, छतीसगढ़ से ट्रैक की खेप भी रवाना हुई	Neutral

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अख़बार

दैनिक भास्कर

इंदौर, गुरुवार 23 फरवरी, 2023 | फाल्गुन, शुक्ल पक्ष-4, 2079 | 12 राज्य | 61 संस्करण

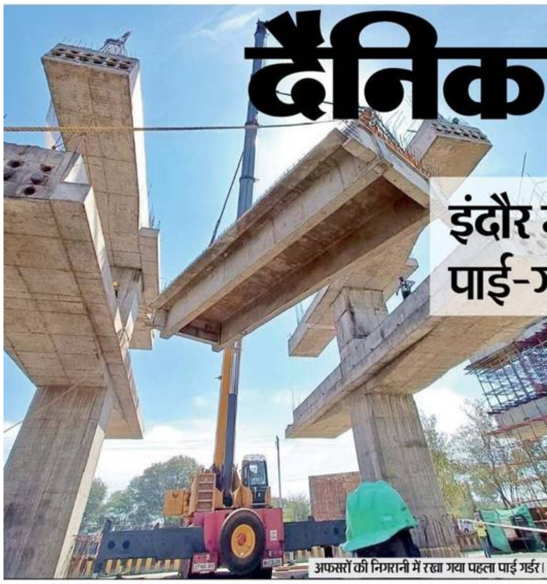

अफसरों की निगरानी में रखा गया पहला पाई गर्डर।

इंदौर मेट्रो के दो अहम पड़ाव.... सुपर कॉरिडोर पर पहला पाई-गर्डर लॉन्च, छत्तीसगढ़ से ट्रैक की खेप भी रवाना हुई

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट में बुधवार को दो अहम पड़ाव रहे। सुपर कॉरिडोर के 5.9 किमी के रूट पर पहला पाई गर्डर लॉन्च किया गया। वहीं, छत्तीसगढ़ से मेट्रो ट्रैक की पहली खेप भी इंदौर के लिए रवाना हो चुकी है।

मिली जानकारी के मुताबिक सुपर कॉरिडोर वाले इस रूट पर पांच स्टेशन हैं। एक स्टेशन पर 81 गर्डर लॉन्च होंगे। पांच स्टेशनों पर 441 पाई गर्डर लगाने में 80 से 90 दिन लगेंगे। काम की स्पीड बढ़ाने के लिए मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने अन्य कॉन्ट्रैक्टर को रखने का फैसला किया है। इसीलिए अहमदाबाद से रेलवे के अन्य कॉन्ट्रैक्टर की मदद ली जा रही है। जिससे काम 40 दिन में पूरा हो जाए। बता दें कि मेट्रो ट्रायल रन की डेटलाइन सितंबर-2023 तय की गई है।

रायगढ़ (छग) से रवाना हुआ पटरियों से लदा ट्रक

गांधीनगर से आगे 4 लॉन्चर का काम तेजी से

बुधवार को अहमदाबाद के कॉन्ट्रेक्टर ने साइट का निरीक्षण किया। जिस समय पाई गर्डर डाले जा रहे थे, तब कार्पोरेशन की पूरी टीम मौके पर ही मौजूद रही। जीएम केसी चौहान, आरवीएनएल के अमित टंडन सहित पूरी टीम डटी रही। उधर, सुपर कॉरिडोर से रेडिसन चौराहे तक लॉन्चर का काम भी तेजी से बढ़ रहा है। गांधीनगर से भौंरासला तक चार लॉन्चर और एमआर-10 से रेडिसन चौराहे तक तीन लॉन्चर का काम चल रहा है।

ट्रैक की पहली खेप इंदौर के लिए निकल चुकी है। संभवतः तीन से चार दिन के भीतर यह इंदौर आ जाएगी।

-मनीष सिंह, एमडी, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
33	Patrika	Indore	23.02.2023	04	कास्टिंग यार्ड में बन रही पाई गर्डर	Neutral

पत्रिका

कास्टिंग यार्ड में बन रही पाई गर्डर

पाई गर्डर का निर्माण आरवीएनएल के कास्टिंग यार्ड में हो रहा है। इसकी लंबाई करीब 35 फीट व चौड़ाई 15 फीट है। इसमें दो आई-गर्डर का उपयोग करने स्लैब भरी गई है। एक पाई गर्डर का वजन करीब 70 टन है। इनको आपस में जोड़ कर बीम पर सेट किया जा रहा है। सिर्फ गेप भरने के लिए कांक्रीट का उपयोग किया जाएगा। मेट्रो स्टेशन पर छत के लिए पाई-गर्डर यानी प्री-कास्ट स्लैब का उपयोग किया जा रहा है। इस तकनीक से स्टेशन की रेडीमेड छत तैयार होगी। दो आई-गर्डर पर प्री-कास्ट स्लैब बना कर पाई-गर्डर तैयार किया जाता है। इस टेक्नालॉजी का उपयोग करने से स्टेशन पर छत डालने के लिए स्ट्रक्चर लगाना, स्लैब भरना आदि नहीं करना होगा। बीम-कालम स्ट्रक्चर पर अगले 20-25 दिन में स्टेशन आकार ले लेगा। इसके बाद स्टेशन की साज-सज्जा, सिगनल और अन्य कार्य शुरू हो सकेंगे।

81 पाई गर्डर एक स्टेशन पर रखी जाएंगी, गांधी नगर मुख्य स्टेशन पर संख्या ज्यादा होगी।

520 पाई गर्डर कास्टिंग यार्ड में तैयार हो रही है, दो हाईड्रोलिक क्रेन, लिफ्टर व ट्राले के सेट से 5 गर्डर रोजाना रखेंगे।

4 क्रेन के अतिरिक्त प्रस्ताव पर चल रहा विचार।

6 किमी के सुपर प्रायरिटी कॉरिडोर के एलिवेटेड ट्रैक और स्टेशन का काम तेजी से आगे बढ़ रहा।

फोटो: रवीन्द्र सेठिया

छत को आकार देगी प्री-कास्ट स्लैब

सुपर कॉरिडोर मेट्रो स्टेशन हो रहा तैयार, 70 टन के पाई-गर्डर से श्रीगणेश

इंदौर @ पत्रिका. सुपर कॉरिडोर पर मेट्रो संचालन के लिए 6 किमी के सुपर प्रायरिटी कॉरिडोर के एलिवेटेड ट्रैक और स्टेशन का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। एयरपोर्ट रोड गांधीनगर से लवकुश चौराहे के पहले आरओबी तक ट्रैक का सिविल वर्क पियर्स व पटरी के आधार-वायडक्ट का काम लगभग पूर्ण हो चुका है। बुधवार से स्टेशन पर पाई गर्डर यानी प्रीकास्ट स्लैब लांचिग का काम शुरू कर दिया गया। यह प्रीकास्ट छत की तरह हैं। स्टेशन के मध्य में पटरी के लिए आई-गर्डर पर डेफ्ट स्लैब भी बनेगी। सुपर कॉरिडोर पर एमआर-5 बड़ा बांगड़दा चौराहे के समीप स्टेशन नंबर 5 से यह कार्य शुरू किया गया है। दो क्रेन, लिफ्टर व ट्राले का सेट तैयार किया है। कार्य का श्रीगणेश मेट्रो के जीएम सिविल केसी चौहान, आरवीएनएल के अमित टंडन व यूआरसी के प्रोजेक्ट मैनेजर मुरुगन ने किया। पहले दिन तीन स्लैब रखी हैं। अब हर दिन पांच स्लैब रखी जाएगी। स्लैब पटरी एरिया के आसपास रखी है। सेंटर में आई-गर्डर पर डेफ्ट स्लैब रहेगी।

एक स्टेशन पर 81 गर्डर डालेंगे

जीएम सिविल के अनुसार एक स्टेशन पर 81 गर्डर डाली जाएंगी। 20 दिन में स्टेशन का सिविल वर्क पूरा हो जाएगा। गांधी नगर के मुख्य स्टेशन का आकार बड़ा है। यहां पर ज्यादा गर्डर लांच किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ से पटरी

मेट्रो के एलिवेटेड ट्रैक पर जल्द ही पटरी बिछाने का काम भी शुरू होगा। एमडी मनीषसिंह के अनुसार पटरी के लिए दोनों एजेंसियां तय कर दी गई है। जिंदल स्टील रायगढ़ छत्तीसगढ़ में इनका निर्माण भी शुरू कर दिया है। इसकी पहली खेप मंगलवार को रवाना हो गई है।

MPMETRO

METRO NEWS

24th FEBRUARY,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
34	Nai Dunia	Indore	24.02.2023	05	दूसरे दिन लगी पाँच गर्डर, स्टेशन पर रहा पाई गर्डर लॉन्च करने का काम	Neutral

दूसरे दिन लगीं पांच गर्डर, स्टेशन पर चल रहा पाई गर्डर लांच करने का काम

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो ट्रायल रन के लिए जरूरी पांच मेट्रो स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। एक स्टेशन पर बुधवार से शुरू हुआ पाई गर्डर लांच करने का काम दूसरे दिन भी जारी रहा। दूसरे दिन पांच पाई गर्डर लगाई गई हैं। अब क्रेन लगाने वाली एजेंसी को एक टीम और लगा कर क्षमता बढ़ाने के लिए कहा गया है, जिससे यह काम दो माह के भीतर हो जाएगा।

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने बताया कि पांच स्टेशनों पर कुल 441 पाई गर्डर लगाई जानी हैं। इन गर्डर को यार्ड में ही तैयार किया गया है। अभी एक दिन में पांच गर्डर लगाने की क्षमता है। अभी एक ही टीम काम कर रही है। लेकिन अब हमने तय किया है कि दो टीमें लगाई जाएंगी। गुरुवार को गुजरात से एक अन्य कांट्रैक्टर को बुलाया गया था। जरूरी प्रक्रिया जल्द पूरी कर काम करने के लिए कहा जाएगा। इससे जल्द काम हो जाएगा।

शहर में मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। प्रायोरिटी कारिडोर पर पांच पाई गर्डर लांच की गई। • नईदुनिया

441 पाई गर्डर लगाई जानी हैं पांच स्टेशनों पर

रात में भी काम चलेगा

अधिकारियों ने बताया कि हमने निर्माण कर रही एजेंसी से यह भी कहा है कि वह श्रमिकों की संख्या बढ़ाए। अभी यहां पर 2200 कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिन्हें बढ़ा कर 2500 किया जाएगा। इसके बाद यहां पर तीन शिफ्टों में 24 घंटे काम हो सकेगा। अगस्त में इसके ट्रायल की समय सीमा रखी गई है। इसके लिए तेजी से काम करना है। वर्षा के पहले सिविल वर्क पूरा करने का प्रयास है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
35	Agnibaan	Indore	23.02.2023	07	पहले मेट्रो रूट की पटरियाँ बिछेंगी फिर शुरू होगा विद्‌युतीकरण	Neutral

अग्निबाण Indore Page No. 7 Feb 23, 2023

पहले मेट्रो रूट की पटरियां बिछेंगी फिर शुरू होगा विद्युतीकरण

कम से कम एक किमी लंबे हिस्से में चाल मिलना जरूरी

इंदौर।

मेट्रो कंपनी ने इस महीने से मेट्रो रूट पर पटरियां बिछाने की तैयारी जरूर कर ली है, लेकिन मेट्रो लाइन का विद्युतीकरण शुरू होने में समय लगेगा। इसके लिए विद्युतीकरण करने वाली कंपनी को तब तक इंतजार करना होगा, जब तक कम से कम एक किलोमीटर लंबे हिस्से में पटरियां नहीं बिछ जाती। मेट्रो कंपनी इंदौर और भोपाल मेट्रो रूट के विद्युतीकरण का ठेका पहले ही एक कंपनी को सौंप चुकी है।

सुपर कॉरिडोर के सुपर प्रायोरिटी सेक्शन के तहत अभी गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर के आठ लेन रेल ओवरब्रिज के बीच युद्धस्तर पर काम हो रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पटरियां बिछाने का काम जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा, विद्युतीकरण करने वाली कंपनी को भी अपना काम शुरू करने को कहा जाएगा। मेट्रो के लिए पटरियां छत्तीसगढ़ से आना हैं। फरवरी अंत तक यह काम शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। मेट्रो कंपनी ने इंदौर-भोपाल मेट्रो रूट के विद्युतीकरण समेत अन्य कार्यों का ठेका 1100 करोड़ रुपए में केपीटीएल कंपनी को सौंपा है। यह कंपनी भी काम करने के लिए पटरियां बिछने का इंतजार कर रही है। मेट्रो कंपनी ने इस कंपनी को लगभग 34 किमी का ठेका दिया है और इसमें वह हिस्सा भी शामिल है, जो अब तक बना ही नहीं है।

MPMETRO

METRO NEWS

25th FEBRUARY,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
36	Nai Dunia	Indore	25.02.2023	09	मेट्रो ही इंदौर को देगी मे असली मज़ा	Neutral

मेट्रो ही इंदौर को देगी मेट्रो शहर होने का असली मजा

बीआरटीएस की आइ बसों के बाद मेट्रो लिखेगी लोक परिवहन की नई कहानी

मेट्रो बदल देगी शहर के लोक परिवहन की तस्वीर। इन पिलरों से कुछ महीनों बाद हर डेढ़ मिनट के अंतराल में मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी। ●प्रफुल्ल चौरसिया 'आशु'

नईदुनिया

यूं बदल रहा इंदौर...

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रदेश की औद्योगिक राजधानी में लोक परिवहन की नई इबारत लिखी जा रही है। मेट्रो ट्रेन का इस साल अगस्त में ट्रायल है। इसमें लोग शहर में सुपर कारिडोर पर गुजरती ट्रेन को देख सकेंगे। इससे लोगों को आसान, सुरक्षित और बेहतर सफर करने का विकल्प मिल जाएगा। अर्थात अब मेट्रो ही इंदौर को मेट्रो शहर होने का फील देगी।

देश के महानगरों को टक्कर दे रहे इंदौर में अक्सर लोक परिवहन के रूप में मेट्रो ट्रेन की कमी महसूस होती थी, लेकिन अब इसका काम तेज गति से चल रहा है। मेट्रो कंपनी के अधिकारी बताते हैं, दूसरे शहरों की तुलना में हमारे यहां पर मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट की गति अधिक है। कोरोना काल में जरूर काम ठप पड़ गया था, लेकिन अब ट्रैक और डिपो दोनों का काम तेजी से चल रहा है। 2025 में मेट्रो प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारी बताते हैं कि पूरा मेट्रो रिंग बनने के बाद शहर के दूसरे इलाकों को भी इससे जोड़ा जा सकेगा। जैसे पलासिया या बंगाली चौराहे को राऊ, पीथमपुर से जोडने की योजना है।

उज्जैन तक तलाश रहे मेट्रो की संभावना : इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने की संभावना भी तलाशी जा रही है। वहीं शहर में रहने वाले लोगों के लिए तो यह काफी फायदेमंद साबित होगी। उधर, छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से ट्रक पटरियां लेकर निकल गए हैं, जो अगले सप्ताह इंदौर पहुंच जाएंगे।

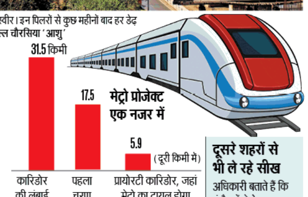

441 पाई गर्डर लगेंगी एक मेट्रो स्टेशन पर

500 करोड़ रुपये से अधिक लग रहे हैं डिपो के निर्माण में

29 मेट्रो स्टेशन बनेंगे इंदौर में

एक स्टेशन की लागत करीब 58 करोड़ रुपये

गांधी नगर स्टेशन पर दूसरे फ्लोर से मिलेगी ट्रेन

हर स्टेशन की

150 मीटर लंबाई

24 मीटर चौड़ाई

दूसरे शहरों से भी ले रहे सीख

अधिकारी बताते हैं कि इंदौर में मेट्रो का काम करने के लिए हम देश के उन शहरों का भी दौरा कर रहे हैं, जहां पर मेट्रो का काम चल रहा है। वहां से सीख लेकर यहां और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। टीम के अधिकारी उत्तर प्रदेश और दूसरे राज्यों में जाकर मेट्रो प्रोजेक्ट देखकर आए हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
37	Agnibaan	Indore	24.02.2023	02	पहले मेट्रो यार्ड मे, फिर कॉरिडर पर बिछेगी पटरियाँ	Neutral

अग्निबाण Indore Page No. 2 Feb 24, 2023

पहले मेट्रो यार्ड में, फिर कॉरिडोर पर बिछेंगी पटरियां

यार्ड में ही खप जाएंगी आठ किमी लंबी पटरियां

इंदौर।

शहर के मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए पटरियां बिछाने का काम पहले मेट्रो यार्ड में होगा, फिर गांधीनगर तरफ से निर्माणाधीन कॉरिडोर पर पटरियां बिछाई जाएंगी। माना जा रहा है कि पहले चरण में लगभग 15-20 किलोमीटर लंबी पटरियां रायगढ़ से इंदौर पहुंचेंगी। इनमें से आठ किमी पटरियां तो अकेले मेट्रो यार्ड में लगाई जाएंगी और बची पटरियों का उपयोग कॉरिडोर पर होगा।

पटरियां आने के बाद भी उन्हें बिछाने में तीन से चार दिन का समय लगेगा। सूत्रों ने बताया कि रविवार-सोमवार तक पटरियां आने की संभावना है। पटरियां रायगढ़ स्थित जिंदल स्टील से आ रही हैं। औसतन 120 टन पटरी आने पर एक किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन बिछाई जा सकती है। अगले हफ्ते से मेट्रो यार्ड में पटरियां बिछती हुई दिखेंगी।

अब तक 10 पाई गर्डर लांच

मेट्रो कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि अब तक सुपर कॉरिडोर मेट्रो स्टेशन नंबर पांच पर 10 पाई गर्डर लांच हो चुकी हैं। 11वीं गर्डर शुक्रवार से डलेगी। गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर रेल ओवरब्रिज के बीच बनाए जा रहे सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर का यही स्टेशन सबसे जल्द बनने की संभावना है। जल्द ही मेट्रो स्टेशन नंबर तीन में भी पाई गर्डर डालने का काम होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
38	Nai Dunia	Indore	26.02.2023	03	24 घंटे चलेगा काम तो 40 दिन मे तैयार हो जाएगा मेट्रो स्टेशन	Neutral

24 घंटे चलेगा काम तो 40 दिन में तैयार हो जाएगा मेट्रो स्टेशन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में मेट्रो ट्रायल के लिए तैयारी तेजी से चल रही है। यहां लगातार 24 घंटे काम चलेगा। इसी गति से काम चला तो 40 दिन में मेट्रो स्टेशन तैयार हो जाएगा। इसके बाद पटरी बिछाने और इलेक्ट्रिफिकेशन का काम होगा। करीब 2500 कर्मचारी तीन शिफ्ट में 24 घंटे काम करेंगे।

जानकारी अनुसार ट्रायल रन के लिए पांच मेट्रो स्टेशन की जरूरत है। हर स्टेशन में करीबन 400 पाई गर्डर लगना है, जिसके लिए अभी एक क्रेन काम कर रही है, किंतु अगले सप्ताह से दो क्रेन लगाई जाएगी। एक क्रेन से दिनभर में पांच पाई गर्डर लग सकती है। इस तरह से 40 दिन में एक स्टेशन तैयार हो जाएगा। वहीं लगातार 24 घंटे काम चलने से दूसरे कामों में भी गति आएगी। हालांकि सुपर कारिडोर पर मेट्रो स्टेशन पर पाई गर्डर लगाने का काम शुरू हो गया है।

जीएम सिविल केसी चौहान का कार्यकाल पूरा : मेट्रो का काम देख रहे मेट्रो रेल कंपनी के जीएम सिविल केसी चौहान का कार्यकाल शनिवार को पूरा हो गया। उनका कंपनी के साथ अनुबंध पूरा हो गया है। करीब एक साल में चौहान के नेतृत्व में काफी तेज गति से काम हुआ। पिछले साल फरवरी में ही पहली बार पिलरों को सेगमेंट से जोड़ने का काम प्रारंभ हुआ था।

प्रायोरिटी कारिडोर पर पाई गर्डर लांच करने का काम जारी है। हर स्टेशन पर करीब 400 पाई गर्डर लगाई जाएंगी। ● नईदुनिया

2500
कर्मचारी तीन शिफ्ट में 24 घंटे काम करेंगे, ताकि समय पर काम पूरा किया जा सके

400
पाई गर्डर लगाने हैं हर स्टेशन पर इसलिए दो क्रेनों की सहायता ली जाएगी

एक दो दिन में आ जाएगी पटरी

इधर, छत्तीसगढ़ से पटरी लेकर निकले ट्रक रविवार या सोमवार को इंदौर पहुंच जाएंगे। इसके बाद डिपो के काम में तेजी आ जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि डिपो में लगाई जाने वाली पटरी और मेट्रो ट्रैक पर लगाई जाने वाली पटरी में मामूली अंतर है। कोलकाता की कंपनी टेक्स्मोरेल को पटरी बिछाने का ठेका मिला है। कंपनी जल्द काम शुरू कर देगी।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
39	Agnibaan	Indore	26.02.2023	05	मेट्रो लाइन के लिए बंद होंगी रेल लाइन	Neutral

अग्निबाण Page No. 5 Feb 26, 2023 Indore

मेट्रो लाइन के लिए बंद होंगी रेल लाइन

इंदौर-देवास और इंदौर-फतेहाबाद रेल लाइन के ऊपर लगेंगे सेग्मेंट

इंदौर।

मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए शहर की दो लाइनों को बंद करना पड़ेगा। रेल लाइन बंद कर मेट्रो कॉरिडोर के लिए रेलवे पोर्शन पर सेंग्मेंट लगाए जाएंगे। यह काम इंदौर-देवास और इंदौर-फतेहाबाद रेल लाइन पर होगा। मेट्रो कंपनी ने इसकी आंतरिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। एमआर-10 ब्रिज के पास आईएसबीटी की तरफ रेल लाइन के दोनों तरफ पिलर बनाने के काम शुरू हो गए हैं। मेट्रो कंपनी ने रेलवे पोर्शन पर लगने वाले सेग्मेंट की ड्राइंग-डिजाइन रतलाम रेल मंडल को मंजूरी के लिए भेजी थी, जो आ गई है। अब यही प्रक्रिया सुपर कॉरिडोर पर इंदौर-फतेहाबाद रेल लाइन के ऊपर सेंग्मेंट लगाने के लिए होगी।

अफसरों ने बताया कि एमआर-10 ब्रिज के पास रेल लाइन के ऊपर सेग्मेंट लगाने का काम अप्रैल में होगा। इसमें कम से कम एक रात का समय लगेगा। रेल लाइन के दोनों तरफ बने पिलर जोड़ने के लिए चार-पांच सेग्मेंट लगाना होंगे। रात में ट्रेनों की आवाजाही भी कम होती है, इसलिए रेलवे को सेंग्मेंट लॉन्चिंग के दौरान बहुत ज्यादा ट्रेनों को डायवर्ट नहीं करना पड़ेगा। ऐसा ही काम सुपर कॉरिडोर रेल ओवरब्रिज के नीचे से गुजर रही इंदौर-फतेहाबाद रेल लाइन पर भी होगा। वहां भी रेल लाइन के दोनों तरफ मेट्रो कॉरिडोर के पिलर बनाए जा रहे हैं। हालांकि, एमआर-10 और सुपर कॉरिडोर रेल ओवरब्रिज पर सेग्मेंट लगाने का काम अलग-अलग दिनों में किया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि रेलवे को ट्रेनें डायवर्ट करने के लिए दूसरी लाइन उपलब्ध होगी। इंदौर-देवास-उज्जैन रेल लाइन बंद होगी, तो ट्रेनें इंदौर-फतेहाबाद-उज्जैन रेल लाइन से चलाई जा सकेंगी। जब सेग्मेंट लॉन्चिंग के लिए इंदौर-फतेहाबाद-उज्जैन रेल लाइन बंद होगी, तो ट्रेनें इंदौर-देवास-उज्जैन रेल लाइन पर डायवर्ट हो सकेंगी। हाल ही में रेलवे द्वारा इंदौर-देवास-उज्जैन रेल लाइन दोहरीकरण के लिए ट्रेनों को इंदौर-फतेहाबाद-उज्जैन लाइन पर ही शिफ्ट किया गया था।

अप्रैल में लेना पड़ेगा ब्लॉक

मेट्रो कंपनी के सूत्रों ने बताया दोनों रेल लाइनों के आसपास पिलर बनाने का काम अभी जारी है। पिलर बनने के बाद पिलर कैप आदि का निर्माण होगा। इसमें मार्च बीतना तय है। उसके बाद दो पिलरों को जोड़ने के लिए सेंग्मेंट फिट किए जाएंगे। यह काम अप्रैल में होगा।

MPMETRO

METRO NEWS

27th FEBRUARY,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
40	Dainik Bhaskar	Indore	27.02.2023	J2	60 मीट्रिक टन वजनी पटरियों की पहली खेप पहुंची, इससे आधा किमी का मेट्रो ट्रैक बिछेगा	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 27-02-2023 Pg-J2

60 मीट्रिक टन वजनी पटरियों की पहली खेप पहुंची, इससे आधा किमी का मेट्रो ट्रैक बिछेगा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

सुपर कॉरिडोर पर 5.9 किलोमीटर के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए पटरियों की पहली खेप रविवार को इंदौर पहुंची। 4 गाड़ियों में 60 मीट्रिक टन वजनी ट्रैक रविवार सुबह यहां आया। ये पटरियां आधा किमी एरिया में बिछाई जा सकेंगी। 6 किमी के लिए 10 ट्रिप लगेंगी। ये गाड़ियां छत्तीसगढ़ से 21 फरवरी को रवाना हुई थीं। यहां तक पहुंचने में इन्हें 6 दिन का समय लगा। यानी जिस रूट पर सबसे पहले मेट्रो चलना है, वहां तक पटरियों को आने में एक महीने का समय भी लग सकता है। मेट्रो का प्रॉयोरिटी कॉरिडोर 17.5 किमी का है। यानी ट्रायल रन वाले ट्रैक की तुलना में तीन गुना। मालूम हो, इसी साल सितंबर में सुपर प्रॉयोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल रन होना है। यहां 55 से 60 फीसदी काम हो चुका है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
41	Nav Dunia	Indore	27.02.2023	03	मेट्रो प्रोजेक्ट का अहम पड़ाव, छत्तीसगढ़ से इंदौर आई पटरियाँ	Neutral

मेट्रो प्रोजेक्ट का अहम पड़ाव, छत्तीसगढ़ से इंदौर आईं पटरियां

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में चल रहा मेट्रो प्रोजेक्ट अहम पड़ाव पर पहुंच गया है। यार्ड में लगने वाली पटरियों को लेकर छत्तीसगढ़ से निकला ट्राला रविवार सुबह इंदौर पहुंचा। अब जल्द ही पटरी लगाने का काम शुरू हो जाएगा।

जानकारी के अनुसार बुधवार को एक ट्राला पटरी लेकर रायगढ़ से रवाना हुआ था जो रविवार सुबह इंदौर आ गया। इससे डिपो में काम शुरू किया जाएगा। यहां पर पहले स्टेबलिंग लाइन और इंस्पेक्शन-बे बनाया जाएगा। जहां पर ट्रेनों का रखरखाव भी किया जाएगा। पहले यहां पटरी बिछाई जाएगी, बाद में प्रायोरिटी कारिडोर के ट्रैक पर बिछाई जाएगी। पिछले दिनों मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा टेंडर बुलवाए गए थे। टेक्समैको रेल ने सबसे कम बोली लगाई थी। अब कंपनी काम शुरू करेगी और करीब तीन साल में काम पूरा करेगी।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से मेट्रो लाइन के लिए पटरी लेकर इंदौर आया ट्राला। ● नईदुनिया

इंदौर में चल रहे मेट्रो के 31.5 किमी के रूट को दो भागों में बांटा गया है। पहले 17.5 किमी के काम के लिए भी दो कंपनियों को ठेका दिया गया है। सुपर कारिडोर से एमआर-10 तक का काम रेल विकास निगम कर रहा है, जबकि एमआर-10 से रोबोट चौराहे तक का काम दिलीप बिल्डकान को दिया गया है। अभी पिलर बनाने और सेगमेंट जोड़ने का काम जारी है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
42	Patrika	Indore	27.02.2023	02	मेट्रो के अलाइन्मन्ट विवाद के बीच अन्डरग्राउन्ड ट्रैक के टेन्डर की है तैयारी	Neutral

एक दो दिन में एलिवेटेड ट्रैक पर डलेगी पटरी

मेट्रो के अलाइनमेंट विवाद के बीच अंडर ग्राउंड ट्रैक के टेंडर की है तैयारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. पलासिया से रीगल के बीच एमजी रोड पर मेट्रो के अलाइनमेंट का विवाद जारी है। इसी बीच मेट्रो कॉर्पोरेशन शहीद पार्क से पलासिया एलिवेटेड और रीगल से एयरपोर्ट अंडर ग्राउंड ट्रैक का टेंडर जारी करने की तैयारी कर रहा है। बताया जा रहा है, अंडर ग्राउंड का नया अलाइनमेंट भी एमजी रोड को बदहाली से नहीं बचा सकेगा। अब यह हिस्सा हाई कोर्ट से इंद्रप्रस्थ के बीच होगा, जहां से मेट्रो अंडर ग्राउंड होगी।

मेट्रो के रिंग रूट के पहले 17 किमी का काम गांधी नगर से शहीद पार्क तक तो सुगमता से चल रहा है। सुपर कॉरिडोर पर मेट्रो डिपो, सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर और इसके आगे शहीद पार्क तक का कार्य भी तेजी से चल रहा है। प्रायोरिटी कॉरिडोर के स्टेशन के कॉलम बीम का काम पूरा होने के बाद पाई गर्डर का काम भी शुरू कर दिया गया है। एलिवेटेड ट्रैक पर अगले सप्ताह से पटरी बिछाने का काम होगा। मुश्किल इसके आगे के काम को लेकर आएगी, क्योंकि एमजी रोड से मेट्रो ले जाने का लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन विरोध कर रही हैं। वहीं, कॉर्पोरेशन सांसद शंकर लालवानी और अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित अंडर ग्राउंड ट्रैक पर ही सहमति बनाने के प्रयास में हैं। एमडी इसके लिए जल्द ही ताई से मिलेंगे।

एमजी रोड हर हाल में होगा बदहाल

मेट्रो अब रेलवे स्टेशन को क्लब करते हुए कबूतर खाना-संजय सेतू के नीचे से राजबाड़ा के समीप से बड़ा गणपति जाएगी। इस नए अलाइनमेंट से भी एमजी रोड की सूरत बदहाल होने से नहीं बचेगी। इसके लिए मेट्रो छप्पन दुकान के थोड़ा आगे से नीचे उतरना शुरू होगी, हाई कोर्ट के पहले बनने वाली 300 मीटर के रैंप से टनल में प्रवेश करेगी। हाई कोर्ट के बगीचे का उपयोग मशीनें आदि उतारने के लिए किया जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
43	Agnibaan	Indore	27.02.2023	03	8425 मैट्रिक टन पटरियाँ सप्लाइ होंगी इंदौर मेट्रो के लिए	Neutral

अग्निबाण

पहला लॉट पहुंचा - डिपो में पटरियां बिछाने की तैयारियां शुरू, कलकत्ता की टैक्समाको कम्पनी को मिला है ठेका

8425 मैट्रिक टन पटरियां सप्लाय होगी इंदौर मेट्रो के लिए

इंदौर। मेट्रो प्रोजेक्ट में प्रायोरिटी कॉरिडोर पर 24 ही घंटे काम चल रहा है, ताकि अगस्त-सितम्बर के महीने में ट्रायल रन लिया जा सके। जिंदल स्टील को पटरियां सप्लाय का ठेका दिया गया है और लगभग 8425 मैट्रिक टन पटरियों की सप्लाय जिंदल द्वारा की जाएगी। कल पहला लॉट इंदौर पहुंचा। रायगढ़ से यह ट्राला चार दिन पूर्व रवाना हुआ था, जिसमें 60 मैट्रिक टन वजन की पटरियां मौजूद है, जिसे डिपो में बिछाया जाएगा, जिसकी तैयारी पटरियों की रवानगी के साथ ही शुरू हो गई है। गिट्टी बिछाने, स्लीपर डालने के साथ पटरियों को बिछाने की शुरुआत भी हफ्तेभर में शुरू हो जाएगी। एक के बाद एक पटरियों की सप्लाय इसी तरह होती रहेगी। अभी जो पटरियां आई हैं, वह तो मात्र आधा किलोमीटर ही बिछ पाएंगी। एक किलोमीटर के लिए लगभग 120 मैट्रिक टन पटरियों की आवश्यकता पड़ती है। कलकत्ता टैक्समाको कम्पनियों को बिछाने का ठेका दिया गया है, जिसकी लागत लगभग 253 करोड़ रुपए है। डिपो के साथ-साथ साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ये पटरियां बिछाई जाएंगी। वहीं दूसरी तरफ रोबोट चौराहा से पलासिया के लगभग 7 किलोमीटर के हिस्से के लिए भी मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर रहा है, ताकि इस हिस्से में काम शुरू हो सके। मध्य क्षेत्र की बाधा अभी कायम है।

इंदौर-भोपाल मेट्रो में प्रायोरिटी कॉरिडोर को विधानसभा चुनाव से पहले तैयार करने की चुनौती है, जिसके चलते अब तेज गति से काम किया जा रहा है। पटरी बिछाने के साथ इलेक्ट्रीफिकेशन का काम भी शुरू हो जाएगा। ट्रायल रन के लिए जो साढ़े 5 किलोमीटर का प्रायोरिटी कॉरिडोर बनाया जा रहा है, उसमें लगभग 5 मेट्रो स्टेशन भी आएंगे, लिहाजा उनका भी काम रात-दिन चल रहा है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण गांधी नगर मेट्रो स्टेशन का काम करने के लिए सुपर कॉरिडोर के मैन केरेजवे पर भी यातायात बंद कर रखा है और दोनों तरफ सर्विस रोड भी प्राधिकरण ने तैयार की है। इसके साथ ही पाई गर्डर लगातार डाली जा रही है। क्रेनों के साथ-साथ मजदूरों की संख्या भी बढ़ाई गई है। दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से जिंदल फैक्ट्री में जो पटरियां तैयार हो रही है उन्हें ट्रालों के जरिए इंदौर और भोपाल पहुंचाया जा रहा है। अभी पहला ट्राला इंदौर के लिए रवाना हुआ था, जो कल सुबह पहुंच गया। अब टेस्टिंग के साथ अनलोड करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। वहीं मप्र मेट्रो कार्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह के मुताबिक अब लगातार ट्रालों के जरिए पटरियों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहेगा, क्योंकि पटरी बिछाने वाली कम्पनी टैक्समाको को भी काम दिया जा चुका है और उसने भी तैयारियां कर ली है। जिंदल स्टील स्टील को भोपाल के साथ इंदौर मेट्रो के लिए भी पटरियां सप्लाय करने का ठेका मिला है। भोपाल मेट्रो के लिए जहां 8120 मैट्रिक टन पटरियां लगेगी। वहीं इंदौर मेट्रो के लिए 8425 मैट्रि टन पटरियों की जरूरत बताई गई है। इसमें 4500 मैट्रि टन पटरियां चार से पांच महीने में सप्लाय करना होगी और फिर 1500 मैट्रिक टन, उसके बाद 18 से 19 महीनों में और फिर 2425 मैट्रिक टन 30 से 34 महीने में सप्लाय होगी। एक दर्जन से ज्यादा पाई गर्डर भी लॉन्च हो चुकी है। वहीं पाइल फाउंडेशन का काम भी प्रायोरिटी कॉरिडोर पर 90 फीसदी से अधिक पूरा हो गया है। वहीं पटरियां बिछाने की तैयारियां ठेकेदार फर्म टैक्समाको ने कर ली है। अभी जो पहला लॉट आया है उसमें 75 एकड़ पर बन रहे यार्ड में भी पटरियां बिछना है, जिसकी तैयारी मौके पर शुरू भी हो गई है। मेट्रो से जुड़े तकनीकी अधिकारियों का कहना है कि लगभग एक हफ्ते में पटरियां बिछाने का काम शुरू हो जाएगा। वहीं वहीं दूसरी तरफ रोबोट से बंगाली चौराहा और पलासिया के बीच एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए भी टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, क्योंकि इस पर वैसे भी कोई परेशानी नहीं है। साढ़े 33 किलोमीटर के मेट्रो प्रोजेक्ट में अभी 17 किलोमीटर एलिवेटेड ट्रैक पर तेजी से काम चल रहा है, क्योंकि उसके बाद का काम रूका पड़ा है, क्योंकि मध्य क्षेत्र को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है।